आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 104 | उज्जैन, गुरुवार 06 मार्च 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में अतिथि देवो भव: के भाव को किया चरितार्थ

समिट की सुमधुर स्मृतियां, दीर्घकालिक संबंधों का बनेंगी आधार

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट के पर्यटन व संस्कृति पर केंद्रित सत्र में कहा था कि मेले का मतलब है मेल-जोल बढ़ाना और ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट, उद्योगपतियों-निवेशकों-उद्यमियों और सरकार व प्रदेशवासियों के बीच मेल-जोल बढ़ाने का प्रभावी माध्यम है। भोपाल में पहली बार आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में देश दुनिया के प्रमुख उद्योगपति, निवेशक, यंग इन्नोवेटर, जनप्रतिनिधि और अधिकारी शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मंशानुसार निवेश के इस महाकुंभ में पधार रहे सभी अतिथियों का स्वागत-सत्कार, भारतीय संस्कृति के ÷अतिथि देवो भव÷ का भाव जीआईएस में साकार हुआ। उनका विचार था कि यह आयोजन परस्पर मेल-जोल, सद्भावना और सुखद अनुभूति के साथ हो और समिट की सुमधुर स्मृतियां, लंबे चलने वाले संबंधों का आधार बनें। अत: इस वैश्विक आयोजन में अतिथियों के आवागमन-आवास और भोजन की व्यवस्था के प्रति आरंभ से ही विशेष संवेदनशीलता रही।

वैश्विक सम्मेलन में, विविधता से भरे हमारे देश के विभिन्न भागों के साथ-साथ दुनिया के लगभग 60 देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। भोजन, सभी की मूल आवश्यकता है, परंतु अलग-अलग सामाजिक -सांस्कृतिक-भौगोलिक परिवेश के कारण भोजन के लिए लोगों की आदतें, रुचियां और आवश्यकताएं अलग-अलग होती हैं। विभिन्न क्षेत्रों से आए इन विशिष्ट जन के लिए भोजन की व्यवस्था एक चुनौती थी। विविधता भरे समागम में सभी के स्वाद और संतुष्टि के अनुरूप भोजन की व्यवस्था करना, एक प्रकार से अपनी दक्षता का प्रमाण देने जैसा था।

अरावली ग्रीन परियोजना से सुधरेगा इकोसिस्टम, पहले चरण में आठ लाख हेक्टेयर क्षेत्र पर होगा काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र ने अपनी महत्वाकांक्षी अरावली ग्रीन वाल परियोजना के पहले चरण में आठ लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में बिगड़े हुए इकोसिस्टम को सुधारने की योजना बनाई है। इस परियोजना के तहत उत्तर पश्चिम भारत में अरावली पर्वत श्रृंखला के चारों ओर हरित बफर क्षेत्र विकसित करना है। यह पहल भारत के जलवायु लक्ष्य को हासिल करने में अहम होगी।

अरावली जीर्णोद्धार की कार्ययोजना के अनुसार सरकार पहले चरण में सरकार अनुमानित 16,053 करोड़ रुपये खर्च कर सकती है। इस परियोजना का उद्देश्य भूक्षरण और थार रेगिस्तान के पूर्व की ओर विस्तार को नियंत्रित करना है।

गुजरात से दिल्ली तक 700 किलोमीटर तक फैली अरावली पर्वतमाला मरुस्थलीकरण के विरुद्ध प्राकृतिक अवरोध का काम करती है, जो थार रेगिस्तान के विस्तार को रोकती है तथा दिल्ली, जयपुर और गुरुग्राम जैसे शहरों की रक्षा करती है।

भारत की सबसे पुरानी पर्वत श्रृंखला अरावली- भारत की सबसे पुरानी पर्वत श्रृंखला अरावली, चंबल, साबरमती और लूनी जैसी महत्वपूर्ण नदियों का स्त्रोत है। इसके जंगल, घास के मैदान और आर्द्रभूमि लुप्तप्राय पौधों और जानवरों की प्रजातियों को आश्रय देते हैं।

बाइक सवार की गलती से पलट गई बस, बाल-बाल बची यात्रियों की जान

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के लातूर जिले में नागपुर-रत्नागिरी नेशनल हाईवे पर एक मोटरसाइकिल को बचाने के चक्कर में बस पलट गई। इस हादसे में कम से कम 38 लोग घायल हुए हैं।

पुलिस की जानकारी के मुताबिक, हादसा दोपहर करीब 2 बजे चाकूर तहसील के नंदगांव पाटी के पास हुआ। संभागीय यातायात अधिकारी संदीप पडवाल ने पुष्टि की कि 38 यात्री घायल हुए हैं, जिनमें से छह की हालत गंभीर है।

एक अधिकारी ने बताया कि बस अहमदपुर से लातूर जा रही थी, तभी चालक ने मोटरसाइकिल को बचाने के लिए बस को मोड़ा, जिससे उसका नियंत्रण खो गया और बस पलट गई।

परीक्षा देने जा रहे थे छात्र- प्रत्यक्षदर्शियों ने दावा किया कि बस तेज़ रफ़्तार से चल रही थी और रुकने से पहले ही कंट्रोल से बाहर हो गई। पडवाल ने बताया कि कई यात्रियों के हाथ-पैरों में गंभीर चोटें आईं और उन्हें एंबुलेंस और निजी वाहनों से अस्पताल ले जाया गया। बस में 48 लोग सवार थे, जिनमें महिलाएं और परीक्षा देने जा रहे छात्र भी शामिल थे।

बोफोर्स मामले में नया मोड़, सीबीआई ने अमेरिका को लिखी चिट्ठी; हर्शमैन को लेकर मांगी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बोफोर्स रिश्वत कांड की जांच में खुलासा हो सकता है। सीबीआई ने निजी जांचकर्ता माइकल हर्शमैन को खोजने और पूछताछ करने के लिए अमेरिका को एक न्यायिक अनुरोध भेजा है। निजी जासूस माइकल हर्शमैन ने 1980 के दशक के 64 करोड़ रुपये के बोफोर्स रिश्वत घोटाले के बारे में महत्वपूर्ण डिटेल्स भारतीय एजेंसियों के साथ साझा करने की इच्छा व्यक्त की थी।

अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। फेयरफैक्स समूह के प्रमुख हर्शमैन 2017 में निजी जासूसों के एक सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत आए थे। अपने प्रवास के दौरान, वे विभिन्न मंचों पर दिखाई दिए, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने घोटाले की जांच को पटरी से उतार दिया था और कहा कि वे सीबीआई के साथ डिटेल साझा करने के लिए तैयार हैं।

हर्शमैन ने किया था बड़ा दावा - हर्शमैन ने एक इंटरव्यू में दावा किया था कि उन्हें 1986 में केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा विदेशों में भारतीयों द्वारा मुद्रा नियंत्रण कानूनों के उल्लंघन और मनी लॉन्ड्रिंग की जांच और भारत के बाहर ऐसी संपत्तियों का पता लगाने के लिए नियुक्त किया गया था और उनमें से कुछ बोफोर्स सौदे से संबंधित थे।

सीबीआई ने हर्शमैन की नियुक्ति से संबंधित दस्तावेज और यदि उनके द्वारा कोई रिपोर्ट प्रस्तुत की गई थी, उससे संबंधित दस्तावेज मांगने के लिए वित्त मंत्रालय से भी संपर्क किया, लेकिन उस समय के रिकॉर्ड एजेंसी को उपलब्ध नहीं कराए जा सके।

वनतारा में पीएम मोदी ने शावकों को पिलाया दूध, बब्बर शेर संग खिंचाई फोटो

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वन्यजीव संरक्षण, बचाव और पुनर्वास की अनूठी पहल वनतारा को सराहा है। उन्होंने रविवार को गुजरात के जामनगर जिले में पशु बचाव, संरक्षण और पुनर्वास केंद्र वनतारा का उद्घाटन किया और एशियाई शेर के शावकों को दुलारा। उन्होंने शावकों को दूध भी पिलाया।

पीएम मोदी ने कई लुप्तप्राय जानवरों के साथ वक्त बिताया। उन्होंने वनतारा में किए जा रहे अद्भुत काम के लिए अनंत अंबानी को बधाई दी और विश्व स्तरीय बचाव और पुनर्वास केंद्र स्थापित करने के उनके प्रयासों की प्रशंसा की। पीएम ने वनतारा में विभिन्न सुविधाओं के बारे में जाना। वह वनतारा में वन्यजीव अस्पताल भी गए और पशु चिकित्सा सुविधाओं को देखा जो एमआरआइ, सीटी स्कैन, आइसीयू और अन्य सुविधाओं से लैस हैं।

प्रधानमंत्री ने अपने इस दौरे से जुड़ी कई तस्वीरें भी साझा कीं। करीब तीन हजार एकड़ क्षेत्र में फैला वनतारा, रिलायंस इंडस्ट्रीज के जामनगर रिफाइनरी कांप्लेक्स में है। यह दो हजार से अधिक प्रजातियों और 1.5 लाख से अधिक बचाए गए लुप्तप्राय और संकटग्रस्त जानवरों का घर है।

पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया, वनतारा नामक अनूठी वन्यजीव संरक्षण, बचाव और पुनर्वास पहल का उद्घाटन किया, जो पारिस्थितिकी स्थिरता और वन्यजीव कल्याण को बढ़ावा देती है। मैं इस प्रयास के लिए अनंत अंबानी और उनकी पूरी टीम की

अंतिम सांस तक जेल में रहेगा नाबालिग बच्चों का हत्यारा...

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपने दो नाबालिग बच्चों की हत्या करने वाले एक पूर्व बैंक मैनेजर की मौत की सजा को सुप्रीम कोर्ट ने कम करते हुए ईश्वर द्वारा प्रदत्त अंतिम सांस तक उसे जेल में ही रहने का आदेश दिया।

13 फरवरी को उसकी सजा को बरकरार रखा- जस्टिस संजय करोल और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने रमेश ए. नाइका की मौत की सजा के खिलाफ अपील को स्वीकार करते हुए 13 फरवरी को उसकी सजा को बरकरार रखा।

मोदी सरकार ने केदारनाथ और हेमकुंड साहिब रोपवे प्रोजेक्ट को दी हरी झंडी, मिनटों में पूरी होगी घंटों की यात्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक हुई। इसमें केदारनाथ रोपवे परियोजना को मंजूरी दी गई। यह परियोजना 12.9 किलोमीटर लंबी होगी। इस पर करीब 4081 करोड़ रुपये का खर्च होंगे।

रोपवे परियोजना की शुरुआत सोनप्रयाग से होगी और यह केदारनाथ तक जाएगी। रोपवे परियोजना को सार्वजनिक-निजी भागीदारी से विकसित किया जाएगा। उधर, हेमकुंड साहिब रोपवे प्रोजेक्ट के लिए 2730 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है। यह प्रोजेक्ट 12.4 किलोमीटर लंबा होगा।

आधुनिक तकनीक से होगा निर्माण- केदारनाथ रोपवे परियोजना पर सबसे आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। रोपवे को ट्राई-केबल डिटैचेबल गोंडोला (3एस)तकनीक से निर्मित किया जाएगा। हर घंटे एक तरफ कुल 1800 लोग रोपवे के माध्यम से यात्रा कर सकेंगे। वहीं पूरे दिन प्रतिदिन 18000 लोग यात्रा कर सकेंगे। खास बात यह है कि अभी तक केदारनाथ धाम तक जाने में 8 से 9 घंटे का समय लगता है। मगर रोपवे परियोजना के तैयार होने के बाद महज 36 मिनट में लोग धाम तक पहुंच सकेंगे।

रोजगार के नए अवसर खुलेंगे- रोपवे परियोजना केदारनाथ आने वाले तीर्थयात्रियों के लिए वरदान साबित होगी। यह न केवल पर्यावरण अनुकूल और आरामदायक होगी बल्कि अभी तक 8-9 घंटों में पूरी होने वाली दूरी को महज 36 मिनट में तय करेगी। इस परियोजना के वजह से कई क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर खुलेंगे।

रोपवे परियोजना का विकास संतुलित सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देने, पहाड़ी क्षेत्रों में अंतिम मील तक कनेक्टिविटी बढ़ाने और तीव्र आर्थिक विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक अहम कदम है। अभी तक भक्तों को केदारनाथ मंदिर तक पहुंचने के लिए गौरीकुंड से 16 किलोमीटर तक बेहद चुनौतीपूर्ण यात्रा करनी पड़ती है। मौजूदा समय में यह दूरी पैदल, टट्टू, पालकी और हेलीकॉप्टर से तय करनी पड़ती है।

रोपवे प्रोजेक्ट से केदारनाथ धाम तक आने वाले तीर्थयात्रियों को सीधा लाभ होगा। वहीं सोनप्रयाग और केदारनाथ के बीच पूरे साल कनेक्टिविटी बनी रहेगी। केदारनाथ धाम उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में पड़ता है। यह समुद्र तल से 11968 फुट की ऊंचाई पर स्थित 12 पवित्र ज्योतिर्लिंगों में से एक है।

अमेरिका युद्ध चाहता है तो हम भी लड़ने के लिए तैयार टैरिफ वॉर के बीच चीन ने ट्रंप को दी खुली धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया तो तीसरे विश्व युद्ध बचाने का दावा करने वाले डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ वॉर का एलान कर दिया है। पूरी दुनिया अमेरिका के व्यापार युद्ध की चपेट में आ गई है। भारत भी इस युद्ध से बच नहीं पाया। ट्रंप ने जहां कनाडा और मेक्सिको पर 25 फीसदी आयात शुल्क लगाया, वहीं चीन के सामानों पर यह 20 फीसदी है।

ट्रंप के फैसले को कनाडा-चीन ने दी चुनौती- ट्रंप के इस फैसला को तीनों देशों ने करारा जवाब दिया है। कनाडा ने अमेरिका के सामानों पर 25 फीसदी और चीन ने भी अमेरिकी सामानों पर 10 और 15 फीसदी टैरिफ लगाने का एलान कर दिया है। चीन ने तो यहां तक कह दिया है कि यदि अमेरिका युद्ध चाहता है तो हम अंत तक युद्ध लड़ने के लिए तैयार हैं। चाहे वह टैरिफ युद्ध हो, व्यापार युद्ध हो या किसी अन्य प्रकार का युद्ध हो।

चीन ने कहा, अमेरिका में फेंटानाइल के लिए कोई और नहीं, बल्कि खुद अमेरिका जिम्मेदार है। मानवीय भावना और अमेरिकी जनता के प्रति सद्भावना के तहत हमने इस मुद्दे से निपटने में अमेरिका की सहायता के लिए ठोस कदम उठाए हैं, लेकिन हमारे प्रयासों को स्वीकार करने के बजाय अमेरिका ने चीन को बदनाम करने और दोषारोपण करने की कोशिश की है।'

चीन ने आगे कहा कि अब टैरिफ बढ़ाकर अमेरिक हम पर दबाव डालने और ब्लैकमेल करने की कोशिश की जा रही है। चीन ने कहा कि अमेरिका ने हमारी मदद के बदले हमें दंड दिया। यह अमेरिका की समस्या का समाधान नहीं करेगा।

ड्रैगन ने कहा कि वह धमकियों से नहीं डरता है। शी जिनपिंग की सरकार ने कहा, 'दबाव और धौंस हम पर काम नहीं करती है। बता दें कि ट्रंप ने रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने की बात कही है। उन्होंने कहा कि भारत हम पर 100 प्रतिशत ऑटो टैरिफ लगाता है। भारत समेत चीन मेक्सिको और कनाडा समेत कई देशों पर टैरिफ (US Impose Tariff on India) लगाएंगे। चीन दोगुना और दक्षिण कोरिया चार गुना ज्यादा टैरिफ लगाता है, जबकि हम उसे सैन्य सहायता देते हैं।

शांति के लिए ताकत जरूरी, चीन ने फिर बढ़ाया अपना रक्षा बजट

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन ने बुधवार (05 मार्च) को अपना रक्षा बजट पेश किया। पड़ोसी मुल्क ने एक बार फिर अपने रक्षा बजट में बढ़ोतरी करने का एलान किया है। ड्रैगन ने रक्षा खर्च के लिए 249 अरब डॉलर का बजट रखा है। यह पिछले साल के बजट की तुलना में 7.2 प्रतिशत अधिक है।

सैन्य ताकत बढ़ाने पर चीन का जोर- चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग के सामने पेश किए गए ड्राफ्ट बजट में इस साल चीन का रक्षा बजट 1.7 खरब युआन (249 अरब डॉलर) तय किया है। चीन अपनी सेना की ताकत बढ़ाने और अपने सैन्य हथियारों को एडवांस बनाने के लिए

काफी पैसे खर्च कर रहा है। चीन की ओर से मंगलवार को कहा गया था कि शांति और संप्रभुता के लिए ताकत जरूरी है। अमेरिका को हर मोर्चे पर चीन चुनौती देना चाहता है। बता दें कि भारत के मुकाबले चीन का सैन्य बजट तीन गुना है। हाल ही में भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आम बजट पेश किया था। वित्त मंत्री ने 75 अरब डॉलर सैन्य खर्च के लिए आवंटित किए थे।

टैरिफ वॉर पर चीन ने जताई चिंता - चीन ने अमेरिका के साथ बढ़ते व्यापार युद्ध के बीच इस वर्ष के लगभग 5% विकास लक्ष्य रखा है। चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग ने व्यापार युद्ध पर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि अमेरिका के टैरिफ लगाने के फैसले से हमारी अर्थव्यवस्था पर असर पड़ सकता है, लेकिन हम अमेरिका का चुनौतियों का सामने करने के लिए तैयार हैं।

बता दें कि अमेरिका ने चीन से आयातित सामानों पर 20 प्रतिशत टैरिफ लगाने का एलान किया है। वहीं, चीन ने भी अमेरिका पर 10 और 15 प्रतिशत टैरिफ लगाने का एलान किया है। चीनी सरकार ने अमेरिका के एग्रीकल्चर प्रोडक्ट्स जैसे सोया, गेहूं, मक्का, कपास पर 15% और पोर्क, बीफ, समुद्री खाद्य पदार्थ, फल, सब्जियां और डेयरी उत्पादों पर 10% बढ़ाने का फैसला किया है।

पाकिस्तान में बड़ा आत्मघाती हमला, विस्फोटक भरी कार लेकर सेना परिसर में घुसे आतंकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान में मंगलवार को एक आत्मघाती हमले में 12 लोगों की मौत हो गई। एएफपी के मुताबिक पुलिस ने बताया कि आतंकवादी समूह के दो आत्मघाती हमलावरों ने विस्फोटकों से भरी दो कारों को सेना परिसर में घुसा दिया, जिसके बाद एक भयंकर विस्फोट हुआ। जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई।

मरने वालों में तीन बच्चे भी शामिल- पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि अब तक दोनों हमलों में कम से कम छह नागरिक मारे गए हैं, जिनमें तीन बच्चे भी शामिल हैं।

इसके साथ ही जिला पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि आत्मघाती हमलावरों ने विस्फोटकों से भरे दो वाहनों को बन्नू छावनी के सेना परिसर में घुसा दिया, जिसके बाद एक के बाद एक दो धमाके हुए। जिसके बाद कई आतंकवादियों ने परिसर पर हमला करने का प्रयास किया।

उन्होंने कहा कि घटनास्थल पर मौजूद सुरक्षा बलों की उनसे मुठभेड़ हुई। प्रारंभिक रिपोर्टों से पुष्टि होती है कि चार आतंकवादी मारे गए हैं।

कनाडा ने अमेरिका पर लगाया तगड़ा टैरिफ, ट्रूडो बोले- शुरू हुआ ट्रेड वॉर, हम लड़ाई से पीछे नहीं हटेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कनाडा के आयात पर अमेरिका के व्यापक टैरिफ के खिलाफ लड़ने की कसम खाई है। उन्होंने इसे ट्रेड वॉर कहा है जो सबसे पहले और सबसे ज्यादा अमेरिकी परिवारों को नुकसान पहुंचाएगा।

ट्रूडो ने जोर देकर कहा कि कनाडाई अपनी जगह सही है, लेकिन वे लड़ाई से पीछे नहीं हटेंगे, खासकर जब देश की भलाई दांव पर हो। उन्होंने कहा, पहले फेस में अमेरिका से आने वाले 30 अरब कनाडाई डॉलर के सामान पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाएगा।

डोनाल्ड ट्रंप के फैसले पर ट्रूडो की टिप्पणी- इसमें कार, स्टील, और एल्युमीनियम जैसे प्रमुख उत्पाद शामिल हैं। मंगलवार को पार्लियामेंट हिल से बोलते हुए ट्रूडो ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसले की आलोचना करते हुए कहा कि टैरिफ लगाना बहुत मूर्खतापूर्ण काम है। ट्रूडो ने व्लादिमीर पुतिन के साथ काम करने के तर्क पर भी सवाल उठाया, जिन्हें ट्रूडो ने हत्यारा और तानाशाह कहा था, जबकि कनाडा, जो एक करीबी सहयोगी और साझेदार है, पर टैरिफ लगाया जा रहा है।

डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ लगाने के लिए 2 अप्रैल की तारीख ही क्यों चुनी? अमेरिकी राष्ट्रपति ने खुद दिया जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत, चीन, मेक्सिको, कनाडा, दक्षिण कोरिया समेत कई देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने का एलान कर दिया है।

ट्रंप ने आज (बुधवार) संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए कहा, भारत समेत चीन मेक्सिको और कनाडा समेत कई देशों पर टैरिफ लगाएंगे। चीन दोगुना और दक्षिण कोरिया चार गुना ज्यादा टैरिफ लगाता है, जबकि हम उसे सैन्य सहायता देते हैं, लेकिन हम 2 अप्रैल से उस देश पर उतना टैरिफ लगाएंगे, जो देश हम पर जितना टैरिफ लगाता है। बता दें कि इसे रेसिप्रोकल टैरिफ कहा जाता है।

ट्रंप ने क्यों चुनी 1 अप्रैल की तारीख? - सवाल ये है कि ट्रंप ने रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने के लिए 2 अप्रैल का ही दिन क्यों चुना? इसका जवाब खुद ट्रंप ने ही दिया। उन्होंने कहा कि वह 1 अप्रैल से पारस्परिक टैरिफ लगाना चाहते थे, लेकिन अप्रैल फूल डे का आरोप नहीं लगाना चाहते थे।

उन्होंने कहा कि यूरोपीय संघ, चीन, ब्राजील और भारत जैसे देश अमेरिका पर अमेरिका द्वारा लगाए जाने वाले टैरिफ से कहीं ज्यादा टैरिफ लगाते हैं। उन्होंने इस स्थिति को अनुचित बताया।

ट्रंप ने यह स्पष्ट कर दिया कि जो देश अपने उत्पाद अमेरिका में नहीं बनाते हैं, उन्हें टैरिफ देना होगा और कुछ मामलों में तो हम बड़ी मात्रा में टैरिफ लगाएंगे।

बता दें कि अमेरिका ने कनाडा और मैक्सिको से होने वाले आयात पर 25 प्रतिशत का शुल्क मंगलवार से लगा दिया है। चीन की वस्तुओं पर भी 20 प्रतिशत का शुल्क लगाया गया है।

बेडरूम में सो रही महिला से छेड़खानी, जागने पर डर के मारे पेशाब करने लगा शख्स; अब अदालत ने सुनाई ये सजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिंगापुर में एक भारतीय नागरिक को सात महीने की जेल हुई है। आरोप है कि पड़ोस के घर में घुसकर उसने एक महिला के साथ छेड़खानी की है। अदालत ने बुधवार को उसको सजा सुनाई है। युवक की पहचान 26 वर्षीय एराकोडन अबिनराज के तौर पर हुई है।

एक साल से पड़ोस में रह रहा था शख्स- मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आरोपी शख्स महिला को पहले से जानता था। उसका महिला से पहले भी आमना-सामना हो चुका था। वह पिछले एक साल से महिला के पड़ोस में अपने पांच साथियों के साथ रह रहा था। 22 सितंबर 2024 को उसने वारदात को अंजाम दिया।

बालकनी से घर में घुसा- चैनल न्यूज एशिया की रिपोर्ट के मुताबिक अबिनराज 22 सितंबर को तड़के लगभग 4:50 बजे अपने पड़ोसी के घर में रसोई की बालकनी से दाखिल हुआ। मगर घर में काफी अंधेरा था। इसके बाद उसने अपने मोबाइल की टॉर्च जला ली। इसके बाद वह घर में इधर-उधर घूमता रहा।

बेडरूम में महिला से की छेड़खानी- 36 वर्षीय महिला मास्टर बेडरूम में अपने पति के साथ लेटी थी। दूसरे कमरे में उसकी बेटी थी। कुछ देर में शख्स महिला के मास्टर बेडरूम में दाखिल हुआ। महिला अपने पति के साथ बेड पर सो रही थी। तभी युवक महिला के अंडरवियर को छूने लगा। महिला ने बाई ओर मुड़कर देखा तो उसका पति सो रहा था।

कैसे काम करता है टैरिफ वॉर? किसपर पड़ता है व्यापार युद्ध का सबसे बुरा असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन, मेक्सिको और कनाडा के उत्पादों पर अमेरिका का टैरिफ मंगलवार से लागू हो गया है। माना जा रहा है कि इसी के साथ दुनिया टैरिफ वॉर के दौर में प्रवेश कर गई है। आइये जानते हैं कि टैरिफ क्या है और यह कैसे काम करता है?

आयात पर लगने वाला टैक्स है टैरिफ टैरिफ आयात पर लगने वाला टैक्स है। आम तौर पर खरीदार जिस कीमत पर विदेशी विक्रेता से सामान खरीदता है,उस कीमत का एक तय प्रतिशत टैरिफ वसूला जाता है।

अमेरिका में कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन एजेंट्स पूरे देश में 328 बंदरगाहों पर टैरिफ एकत्र करते हैं।

अमेरिका में टैरिफ दरें अमेरिका में उत्पादों के हिसाब से टैरिफ दरें अलग-अलग हैं। उदाहरण के लिए पैसेंजर कारों पर यह 2.5 प्रतिशत और गोल्फ शूज पर 6 प्रतिशत हैं। उन देशों के लिए टैरिफ दरें कम हो सकती हैं, जिनके साथ अमेरिका का व्यापार समझौता है।

टैरिफ को सही कदम नहीं मानते अर्थशास्त्री - कनाडा और मेक्सिको पर 25 प्रतिशत टैक्स लगाए जाने से पहले अमेरिका और इन देशों के बीच ज्यादातर उत्पादों का व्यापार टैरिफ से मुक्त था। इसकी वजह अमेरिका का मेक्सिको और कनाडा के साथ व्यापार समझौता था। अर्थशास्त्री टैरिफ को सही कदम नहीं मानते हैं।

परिसीमन को लेकर डर रहे दक्षिणी राज्य? सीएम स्टालिन ने पीएम के सामने रखी ये मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने बुधवार को परिसीमन मुद्दे पर एक सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता की। इसमें एक प्रस्ताव पारित किया गया जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संसद में आश्वासन देने का अनुरोध किया गया कि अगर परिसीमन किया जाता है, तो यह 2026 से अगले 30 वर्षों के लिए 1971 की जनगणना पर आधारित होना चाहिए।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने यह भी घोषणा की कि दक्षिणी राज्यों का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक संयुक्त कार्रवाई समिति बनाई जाएगी, जिसमें सांसद होंगे, ताकि इन मांगों और विरोधों को आगे बढ़ाया जा सके और इस मुद्दे के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा की जा सके।

कई दलों के नेता हुए शामिल- डीएमके-नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने तमिलनाडु सचिवालय में सीमांकन पर बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें 55 से अधिक राजनीतिक पार्टी और संगठन के नेता और प्रतिनिधि शामिल हुए।

बैठक में एआईएडीएमके के संगठन सचिव डी. जयकुमार, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक सेल्वापेरुन्थगई, सीपीआई के राज्य सचिव मुथरासन, सीपीएम के राज्य सचिव षणमुगम, वीसीके प्रमुख थिरुमावलवन, एमडीएमके प्रमुख वाइको, टीवीके महासचिव एन. आनंद, तमिलगा वझवुरिमाई काची के संस्थापक वेलमुरुगन, पीएमके अध्यक्ष अंबुमणि, द्रविड़ कझगम नेता वीरमणि, एमएनएम अध्यक्ष कमल हासन और कई अन्य नेताओं और प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

क्यों परिसीमन को लेकर डर रहे दक्षिणी राज्य- बैठक में पांच प्रस्ताव पारित किए गए, जिसमें जनसंख्या के आधार पर दक्षिणी राज्यों पर परिसीमन के प्रभाव शामिल हैं। सर्वदलीय बैठक में बोलते हुए तमिलनाडु के सीएम ने दोहराया कि परिसीमन दक्षिणी राज्यों के सिर पर लटकती तलवार है।

मणिपुर में महसूस किए गए भूकंप के झटके, घंटे भर में दो बार कांपी धरती

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। भारतीय मौसम विभाग मणिपुर केंद्र के अनुसार, बुधवार को एक घंटे के भीतर मणिपुर में 5.7 और 4.1 तीव्रता के दो भूकंप आए। खबर लिखे जाने तक किसी नुकसान की खबर नहीं है।

आईएमडी की रिपोर्ट में कहा गया है कि दोनों भूकंपों का केंद्र मणिपुर के कामजोंग में था। पहला भूकंप सुबह 11:06 बजे के आसपास आया, दूसरे की सूचना दोपहर 12:20 बजे के आसपास मिली।

क्षेत्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, आज भूकंप के झटके असम, मेघालय और क्षेत्र के अन्य हिस्सों में महसूस किए गए। भूकंप के दोहरे झटके की वजह से मणिपुर में इमारतों और अन्य संरचनाओं में मामूली क्षति की रिपोर्टें आ रही हैं।

इमारतों को पहुंची मामूली क्षति- समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, मणिपुर में कई इमारतों में दरारें आई हैं। सोशल मीडिया पर साझा किए गए कई वीडियो में थौबल जिले के वांगजिंग लमदिंग में एक स्कूल की इमारत में दरारें दिखाई गईं, जहां जातीय संघर्ष से प्रभावित लोगों के लिए एक राहत शिविर चलाया जा रहा था।

गेमिंग की लत पर कैसे पा सकते हैं कंट्रोल? आईआईटी दिल्ली और एम्स ने मिलकर रिसर्च में निकाला समाधान

नई दिल्ली (एजेंसी)। समयसीमा और आत्मनियंत्रण का तरीका ऑनलाइन गेमिंग की लत का प्रभाव कम करने में एक हद तक सहायक हो सकता है। आईआईटी दिल्ली और एम्स के एक साझा अध्ययन में यह निष्कर्ष व्यक्त किया गया है और इसके साथ ही इस पहलू को और अधिक स्पष्ट रूप से प्रमाणित करने के लिए व्यापक शोध की जरूरत रेखांकित की गई है।

आईआईटी दिल्ली के एआई विशेषज्ञ तपन के. गांधी और एम्स के बिहेवियरल हेल्फ एक्सपर्ट यतन पाल सिंह बलहारा ने मंगलवार को इस शोध के नतीजों की जानकारी देते हुए कहा कि उन्होंने ऑल इंडिया गेमिंग फेडरेशन से उनके प्लेटफार्मों से जुड़कर इस विषय पर विस्तृत अध्ययन करने की अनुमति मांगी है, जिससे ऑनलाइन और रियलटाइम मनी गेमिंग की लत के शिकार लोगों को इससे बचाने के कुछ और रास्ते तलाशे जा सकें।

यतन पाल ने कहा कि पिछले दो-तीन साल में आनलाइन गेमिंग में फंसकर पैसा और समय गंवाने के साथ ही अपनी मानसिक-मनोवैज्ञानिक स्थिति खराब करने वाले लोगों की संख्या बहुत बढ़ी है। इनमें बच्चे और किशोर भी शामिल हैं। आईआईटी दिल्ली और एम्स के अध्ययन को अपनी तरह की पहली स्टडी बताया जा रहा है।

बक्सर–टाटानगर एक्सप्रेस में आग, पुरुलिया के पास जलने लगा जनरल डिब्बा; मच गई अफरा–तफरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण पूर्व रेल का आद्रा डिवीजन का अंतर्गत आद्रा -पुरुलिया शाखा में बक्सर से टाटानगर जा रहे हैं एक्सप्रेस में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गई। रेल कर्मचारियों को जब आग लगने का समाचार मिला तो ट्रेन को छड़रा स्टेशन में खड़ा कर दिया गया।

बक्सर से चलकर टाटानगर आने वाली ट्रेन नंबर 18184 बक्सर- टाटा एक्सप्रेस ट्रेन का जनरल डब्बा में आग लगने के का समाचार दमकल विभाग को दिया गया समाचार मिलने के बाद पुरुलिया के दमकल विभाग के लोगों ने आग को काबू कर दिया।

अफरा-तफरी को माहौल- इस ट्रेन में आग वास्तविक कौन समय में लगा है इस बात का स्पष्टीकरण रेल विभाग नहीं किया है, बुधवार दोपहर को इस ट्रेन का जनरल डब्बा से धुंआ निकलना शुरू हुआ रेल का यात्रियों ने चिल्लाना शुरू कर दिया, रेल कर्मचारियों को जब इस बात का भनक लग तो पुरुलिया स्टेशन के पहले छड़रा स्टेशन के पास ट्रेन को रोक दिया गया।आग लगने के कारण? धुंआ निकलता देख ट्रेन में मौजूद यात्रियों ने काफी भयभीत हो गया था।

दमकल विभाग ने आग पर पा लिया काबू- रेल विभाग का पुरुलिया स्टेशन से राहत ट्रेन में रेस्क्यू टीम को तत्काल घटनास्थल में भेजा गया, रेस्क्यू टीम ने घटनास्थल में जाकर जलता हुआ डब्बा से सभी रेल यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला है। शुरुआत में ट्रेन में मौजूद अग्निशामक यंत्र से आग बुझाने का प्रयास किया गया पर आग बुझ न सकी, पुरुलिया से आए दमकल विभाग का लोगों ने तत्काल कार्रवाई करके ट्रेन का आग को बूझकर एक बड़ी हादसा से रेल यात्रीओं को बचा लिया है। इस घटना में कोई भी हताहत का घटना नहीं हुआ है। समाचार लिखे जाने तक यह ट्रेन छड़रा स्टेशन पर खड़ा है।

क्या वोटर आईडी नंबर एक जैसा होने पर मतदाता एक-दूसरे के बदले डाल सकते हैं वोट?

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव परिणाम के बाद कांग्रेस तो हाल ही में पश्चिम बंगाल की मुख?यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग और भाजपा पर वोटर लिस्ट में गड़बड़ी और धांधली करने के आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि कई वोटर्स के मतदाता फोटो पहचान पत्र नंबर एक जैसे हैं। ममता बनर्जी के आरोपों से राजनीतिक गलियारों में हड़कंप मच गया। अब सवाल ये हैं कि डुप्लिकेट ईपीआईसी कैसे आए और एक जैसे ईपीआईसी नंबर वाले वोटर एक-दूसरे की जगह वोट डाल सकते हैं?

ममता बनर्जी ने क्या आरोप लगाया- पश्चिम बंगाल में अगले साल चुनाव होने हैं। टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा ने दिल्ली और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव फर्जी वोटों के दम पर जीता। इसमें चुनाव आयोग ने भाजपा की मदद की। बंगाल में भी भाजपा यही चाल चलने की तैयारी में है।

उन्होंने आगे कहा कि अधिकतर वोटर गुजरात और हरियाणा से हैं। कई वोटर्स के मतदाता फोटो पहचान पत्र नंबर एक जैसे हैं। अगर आवश्यक हुआ तो मतदाता सूची सही करने और फर्जी वोट हटाने के लिए चुनाव आयोग की ऑफिस के सामने धरना प्रदर्शन करूंगी।

इसके बाद चुनाव आयोग ने कांग्रेस और टीएमसी के आरोपों पर स्पष्टीकरण दिया। पश्चिम बंगाल में अगले साल होने वाले चुनाव से पहले वोटर लिस्ट में गड़बड़ी के मुद्दे को गरमाने में जुटी पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आरोपों पर चुनाव आयोग ने सारी स्थिति स्पष्ट की और कहा कि EPIC (इलेक्ट्रिक फोटो पहचान पत्र) संख्या में दोहराव का मतलब फर्जी या डुप्लीकेट मतदाता नहीं है।

चुनाव आयोग ने कहा, इलेक्ट्रिक फोटो आइडेंटिटी कार्ड नंबर में दोहराव का मतलब फर्जी का डुप्लीकेट वोटर नहीं है। अलग-अलग राज्यों में मतदाताओं के EPIC नंबर एक जैसे हो सकते हैं, लेकिन विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र, मतदान केंद्र जैसे दूसरे विवरण अलग-अलग हैं।

15 दिन में 4 बार पहुंची दुबई, हर बार पहनी एक ही ड्रेस; 14KG सोने की तस्करी में इस तरह पकड़ी गई एक्ट्रेस रान्या राव

नई दिल्ली (एजेंसी)। कन्नड़ एक्ट्रेस रान्या राव को बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर सोने की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। वह कथित तौर पर दुबई से भारत 14.8 किलोग्राम सोना लाते हुए पकड़ी गई हैं। रान्या राव पुलिस महानिदेशक (पुलिस आवास निगम)की सौतेली बेटी हैं।

एयरपोर्ट से बचने के लिए एक्ट्रेस ने क्या किया- जानकारी के मुताबिक, एक्ट्रेस ने 15 दिनों में चार बार दुबई की यात्रा की और हर बार एक ही ड्रेस में नजर आती थीं। उन्होंने अपना सोना बेल्ट में छुपाया था और बेल्ट छुपाने के लिए एक ही ड्रेस पहनती थी। जांचकर्ताओं को संदेह है कि उसने प्रोटोकॉल विशेषाधिकारों का फायदा उठाया, क्योंकि एक प्रोटोकॉल अधिकारी ने टर्मिनल पर उससे मुलाकात की, उसे बाहर निकाला और एक सरकारी गाड़ी से ले गया, ताकि वो जांच से बच सके।

रान्या राव को राजस्व खुफिया निदेशालय के अधिकारियों ने गिरफ्तार किया है। बता दें उन्हें 3 फरवरी की देर रात डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस ने 14.8 किलो सोने के साथ गिरफ्तार किया था। इसे अवैध रूप से भारत में तस्करी करके लाया जा रहा था।

14 दिन की न्यायिक हिरासत में एक्ट्रेस - अगले दिन उन्हें आर्थिक अपराध अदालत में पेश किया गया और 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।रान्या राव दुबई से बेंगलुरु के लिए एमिरेट्स की फ्लाइट से यात्रा कर रही थीं, तभी उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। वह दुबई की अपनी यात्राओं की वजह से पिछले कुछ समय से रडार पर थीं।

कैसे हुई एक्ट्रेस की गिरफ्तारी- अधिकारियों ने यह नोटिस किया कि रान्या राव ने 15 दिनों में चार बार दुबई की यात्रा की है, इससे उनका शक बढ़ा और उन्होंने कार्रवाई शुरू की। उन्होंने उसे गिरफ्तार करने के लिए एक अभियान शुरू किया।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल सप्तमी

संपादकीय

भारत में महिलाओं को मान सम्मान पूश परख व अनेक शासकीय योजनाओं में प्राथमिकता से दर्ज़ा मिलता है

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ ह्रदय से स्वीकार करती है कि, भारत में महिलाओं को मान सम्मान पूश परख व अनेक शासकीय योजनाओं में प्राथमिकता से दर्ज़ा मिलता है जिसका आभास लेडीज फर्स्ट के एक तरह के प्रोटोकॉल से ही होता चला आ रहा है। अभी 8 मार्च 2023 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस भी आ रहा है। एक और हम देखते हैं कि आज के युग में महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों से आगे निकल रही है, जिसका सटीक उदाहरण हम पढ़ाई में फर्स्ट से लेकर महिला कामकाजी पेशवारों में भी आज महिलाएं अग्रणी है, इसलिए हीआज हर जॉब में कंपनियों द्वारा महिलाओं को प्राथमिकता दी जाती है, तो दूसरी ओर निजी क्षेत्र में भी महिलाओं को प्राथमिकता दी जाती है। मेरा मानना है कि उनमें जवाबदारी, जिम्मेदारी की सजता होना व हर काम को सीरियसली लेने का एक अभूतपूर्व गुण होता है। आज हम इस विषय पर बात इसलिए कर रहे हैं क्योंकि आज दिनांक 3 मार्च 2025 को देर शाम नीति आयोग ने उधारकर्ताओं से निर्माणकर्ताओं, तक भारत के वित्तीय विकास की कहानी में महिलाओं की भूमिका पर एक रिपोर्ट जारी की गई, जिसमें महिलाओं में वित्तीय जागरूकता पिछले वर्ष की तुलना में 42 पर्सेंट बढ़ी है इत्यादि अनेक सकारात्मक बातें महिलाओं के पक्ष में बताई गई है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, भारत की आर्थिक वृद्धि व प्रगति में महिला कामकाजी पेशेवरों की प्रतिभा समर्पण उत्साह व मेहनत का सराहनीय योगदान रहा है।

साथियों बात अगर हम 3 मार्च 2025 को देर शाम नीति आयोग द्वारा महिलाओं के वित्तीय क्षेत्र में उपलब्धियों सहयोग की रिपोर्टिंग जारी करने की करें तो,नीति आयोग ने आज उधारकर्ताओं से निर्माणकर्ताओं तक्‍भारत की वित्तीय विकास की कहानी में महिलाओं की भूमिका शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी की। नीति आयोग के सीईओ द्वारा जारी की गई रिपोर्ट से पता चलता है कि भारत में अधिक महिलाएं ऋ्रण लेना चाहती हैं और सक्रिय रूप से वे अपने क्रेडिट स्कोर की निगरानी कर रही हैं। दिसंबर 2024 तक, 27 मिलियन महिलाएं अपने क्रेडिट की निगरानी कर रही थीं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 42 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है और ये बढ़ती वित्तीय जागरूकता का संकेत देता है।इस रिपोर्ट कोट्रांसयूनियन सीआईबीआईएल, नीति आयोग के महिला उद्यमिता मंच (डब्ल्यूईपी) और माइक्रोसेव कंसल्टिंग द्वारा प्रकाशित किया गया है। लॉन्च के दौरान, नीति आयोग के सीईओ ने महिला उद्यमियों को सशक्त बनाने में वित्त तक पहुंच की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा,सरकार मानती है कि वित्त तक पहुंच महिला उद्यमिता के लिए एक बुनियादी प्रवर्तक है। महिला उद्यमिता मंच(डब्ल्यूईपी) का एक समावेशी इको-सिस्टम बनाने की दिशा में काम करना जारी है, जो वित्तीय साक्षरता, ऋ्रण तक पहुंच, परामर्श और बाजार लिंकेज को बढ़ावा देता है। हालांकि, न्यायसंगत वित्तीय पहुंच सुनिश्चित करने के लिए एक सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है। महिलाओं की जरूरतों के अनुरूप समावेशी उत्पादों को डिज़ाइन करने में वित्तीय संस्थानों की भूमिका साथही संरचनात्मक बाधाओं को संबोधित करने वाली नीतिगत पहलें, इस गति को बढ़ाने में सहायक होंगी। डब्ल्यूईपी के तत्वावधान में इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, फाइनेंसिंग वूमेन कोलैबोरेटिव (एफडब्ल्यूसी) का गठन किया गया है। हम चाहते हैं कि वित्तीय क्षेत्र के और अधिक हितधारक एफडब्ल्यूसी से जुड़ें और इस मिशन में अपना योगदान दें। नीति आयोग की प्रमुख आर्थिक सलाहकार और डब्ल्यूईपी की मिशन निदेशक ने कहा- महिला उद्यमिता को प्रोत्साहित करना भारत के कार्यबल में प्रवेश करने वाली महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर सुनिश्चित करने का एक तरीका है। यह समान आर्थिक विकास को गति देने के लिए एक व्यवहार्य रणनीति के रूप में भी काम करता है।

सच्चिदानन्द सिन्हा

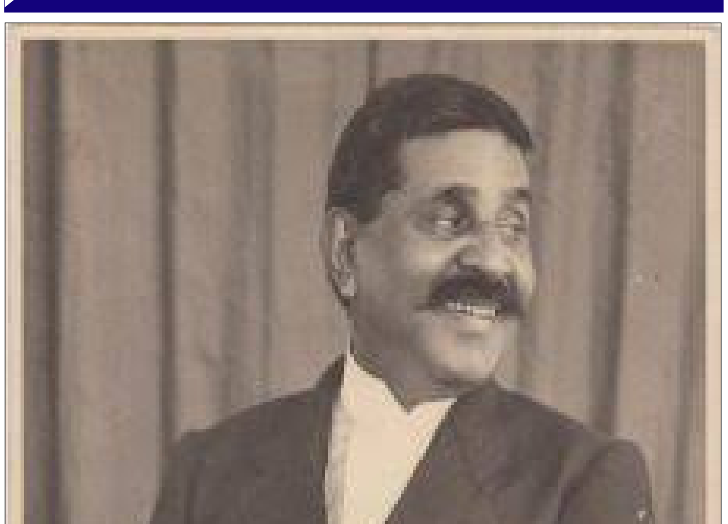

डॉ. सच्चिदानन्द सिन्हा भारत के प्रसिद्ध सांसद, शिक्षाविद, अधिवक्ता तथा पत्रकार थे। वे भारत की संविधान सभा के प्रथम अध्यक्ष थे। बिहार को बंगाल से पृथक राज्य के रूप में स्थापित करने वाले लोगों में सच्चिदानन्द सिन्हा का नाम सबसे प्रमुख है। सन 1910 के चुनाव में चार महाराजों को परास्त कर वे केन्द्रीय विधान परिषद में प्रतिनिधि निर्वाचित हुए थे। वह प्रथम भारतीय थे, जिन्हें एक प्रान्त का राज्यपाल और हाउस ऑफ् लार्डस का सदस्य बनने का श्रेय प्राप्त है।

बिहार की स्थापना में योगदान- बिहार का इतिहास सच्चिदानन्द सिन्हा से शुरू होता है क्योंकि राजनीतिक स्तर पर सबसे पहले उन्होंने ही बिहार की बात उठाई थी। कहते हैं, डॉ. सिन्हा जब वकालत पास कर इंग्लैंड से लौट रहे थे, तब उनसे एक पंजाबी वकील ने पूछा था कि मिस्टर सिन्हा आप किस प्रान्त के रहने वाले हैं। डॉ. सिन्हा ने जब बिहार का नाम लिया तो वह पंजाबी वकील आश्चर्य में पड़ गया। इसलिए, क्योंकि तब बिहार नाम का कोई प्रांत था ही नहीं। उसके यह कहने पर कि बिहार नाम का कोई प्रांत तो है ही नहीं, डॉ. सिन्हा ने कहा था, नहीं है लेकिन जल्दी ही होगा। यह घटना फरवरी, 1893 की बात है।

डॉ. सिन्हा को ऐसी और भी घटनाओं ने झकझोरा, जब बिहारी युवाओं (पुलिस) के कंधे पर 'बंगाल पुलिस' का बिल्ला देखते तो गुस्से से भर जाते थे। डॉ. सिन्हा ने बिहार की आवाज़ को बुलंद करने के लिए नवजागरण का शंखनाद किया। इस मुहिम में महेश नारायण, अनुग्रह नारायण सिन्हा, नन्दकिशोर लाल, राय बहादुर, कृष्ण सहाय जैसे मुट्ठीभर लोग ही थे। उन दिनों सिर्फ 'द बिहार हेराल्ड' अखबार था, जिसके संपादक गुरु प्रसाद सेन थे। तमाम बंगाली अखबार बिहार के पृथककरन का विरोध करते थे। पटना में कई बंगाली पत्रकार थे जो बिहार के हित की बात तो करते थे लेकिन इसके पृथक् राज्य बनाने के विरोधी थे। बिहार अलग राज्य के पक्ष में जनमत तैयार करने या कहें माहौल बनाने के उद्देश्य से 1894 में डॉ. सिन्हा ने अपने कुछ सहयोगियों के साथ 'द बिहार टाइम्स' अंग्रेज़ी साप्ताहिक का प्रकाशन शुरू किया। स्थितियां बदलते देख बाद में 'बिहार क्रानिकल्स' भी बिहार अलग प्रांत के आन्दोलन का समर्थन करने लगा। 1907 में महेश नारायण की मृत्यु के बाद डॉ. सिन्हा अकेले हो गए। इसके बावजूद उन्होंने अपनी मुहिम को जारी रखा। 1911 में अपने मित्र सर अली इमाम से मिलकर केन्द्रीय विधान परिषद में बिहार का मामला रखने के लिए उत्साहित किया। 12 दिसम्बर 1911 को ब्रिटिश सरकार ने बिहार और उड़ीसा के लिए एक लेफ्टिनेंट गवर्नर इन कौंसिल की घोषणा कर दी। यह डॉ. सिन्हा और उनके समर्थकों की बड़ी जीत थी। डॉ. सिन्हा का बिहार के नवजागरण में वही स्थान माना जाता है जो बंगाल नवजागरण में राजा राममोहन राय का। उन्होंने न केवल बिहार में पत्रकारिता की शुरुआत की बल्कि सामाजिक चेतना और सांस्कृतिक विकास के अग्रदूत भी बने।

संविधान सभा में डॉ. सिन्हा- घटना संविधान सभा नियमावली निर्माण के प्रथम दिवस की है और उसका संबंध हिन्दी भाषा से है। झाँसी के माननीय रघुनाथ विनायक धुलेकर संविधान निर्माण सभा के सदस्य थे जो बाद में लोकसभा के सांसद तथा उत्तर प्रदेश विधान परिषद् के अध्यक्ष हुए। वह बडे विद्वान्, धर्मनिष्ठ, कर्मठ और कुशल राजनेता भी थे। संविधान सभा में उत्तर प्रदेश के अतिरिक्त दक्षिण भारत तथा मुस्लिम लीग के भी सदस्य थे। गवर्नर जनरल ने पटना के प्रख्यात विधिवेत्ता सच्चिदानन्द सिन्हा को वरिष्ठता और श्रेष्ठता के कारण इसका अस्थायी अध्यक्ष नियुक्त कर दिया। पं. जवाहरलाल नेहरू ने अधिकृत नियम बन जाने तक कार्य संचालन के लिए यह प्रस्ताव रखा कि जब तक संविधान सभा अपने संचालन की नियमावली स्वयं नहीं बना लेती तब तक केंद्रीय धारा सभी के नियमानुसार यथासंभव कार्य किया जाय। तदनुसार कार्य प्रणाली को बनाने के लिए जे. बी. कृपलानी ने केन्द्रीय धारा सभा के नियमों के अनुसार एक लम्बा प्रस्ताव भेजा जिसके अनुसार संविधान सभा को वह नियम निर्माण समिति (प्रोसोडवोर कमेटी) गठित करना था जो संविधान सभा की कार्य प्रणाली के नियम और उसके अधिकारों का नियमन करने के प्रारूप बनाकर संविधान सभा में उसको स्वीकृति के लिए प्रस्तुत करती।

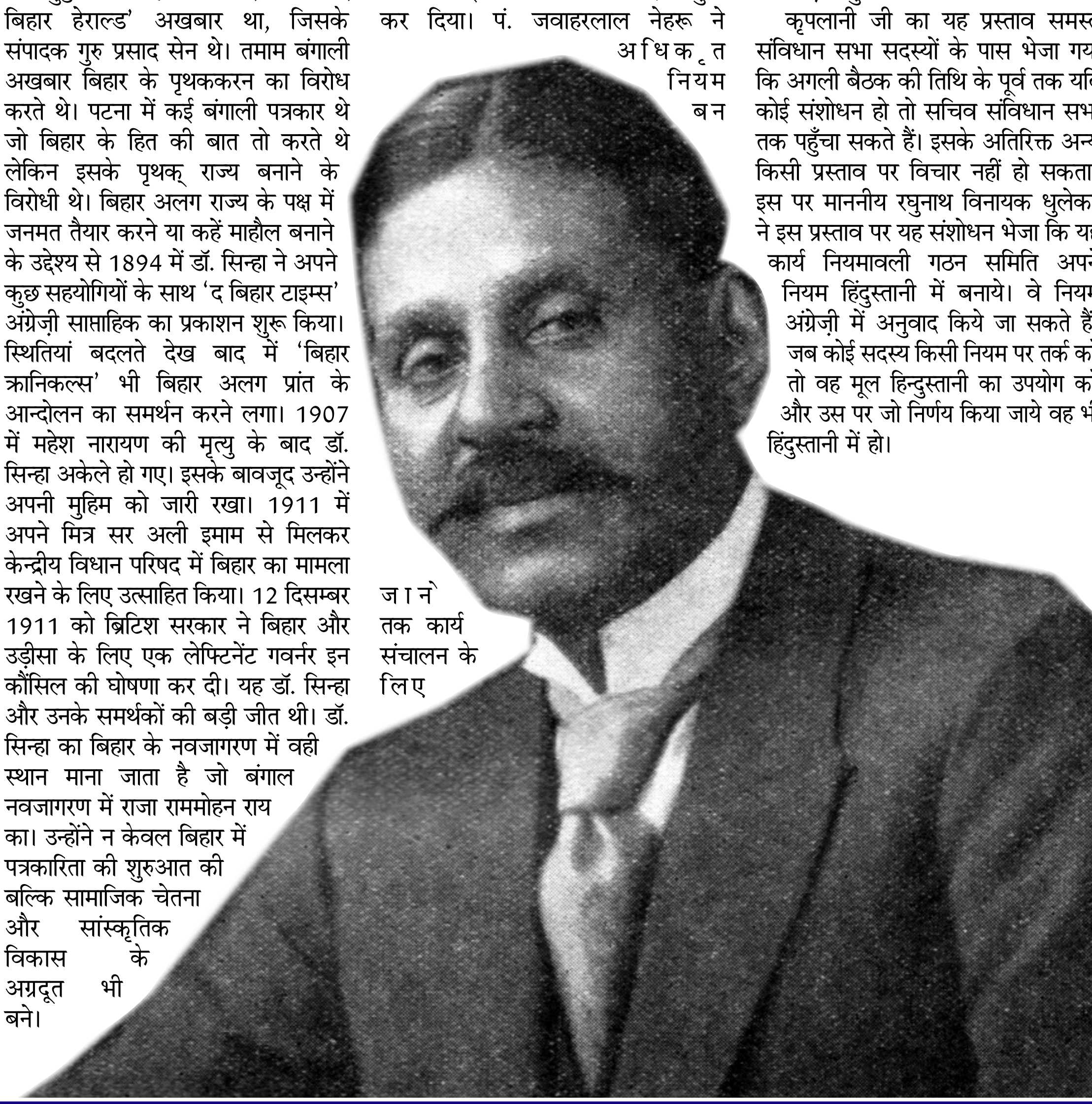

कृपलानी जी का यह प्रस्ताव समस्त संविधान सभा सदस्यों के पास भेजा गया कि अगली बैठक की तिथि के पूर्व तक यदि कोई संशोधन हो तो सचिव संविधान सभा तक पहुँचा सकते हैं। इसके अतिरिक्त अन्य किसी प्रस्ताव पर विचार नहीं हो सकता। इस पर माननीय रघुनाथ विनायक धुलेकर ने इस प्रस्ताव पर यह संशोधन भेजा कि यह कार्य नियमावली गठन समिति अपने नियम हिंदुस्तानी में बनाये। वे नियम अंग्रेज़ी में अनुवाद किये जा सकते हैं। जब कोई सदस्य किसी नियम पर तर्क करे तो वह मूल हिन्दुस्तानी का उपयोग करे और उस पर जो निर्णय किया जाये वह भी हिंदुस्तानी में हो।

वर्कफोर्स में कितनी बढ़ी महिलाओं की भागीदारी, कहां आ रही हैं चुनौतियां?

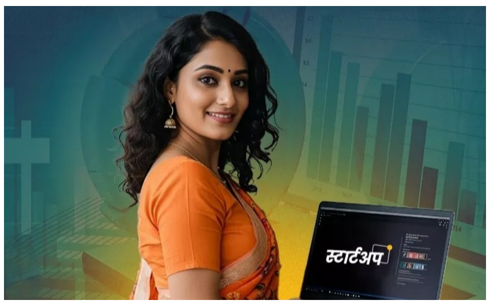

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार वर्कफोर्स में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए लगातार कोशिश कर रही है। वह चाहती है कि जब विकसित भारत 2047 का सपना साकार हो, तो महिलाओं की कार्यबल में अच्छी-खासी हिस्सेदारी हो। केंद्रीय श्रम सचिव सुमिता डावरा का कहना है कि 2047 तक 70त्र महिलाओं को कार्यबल में शामिल करना सरकार का बड़ा लक्ष्य है। उन्होंने महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए बेहतर शिक्षा, मेंटरशिप और वित्तीय मदद पर जोर दिया।

NeoGrowth की हालिया NeoInsights रिपोर्ट भी भारत में महिलाओं की बढ़ती उद्यमशीलता भावना को उजागर करती है। इस सर्वे में 3,000+ महिला उद्यमियों की भागीदारी रही।

इसमें उनके प्रेरणास्रोत, चुनौतियों और सामाजिक प्रभाव पर गहन अध्ययन किया गया। NeoGrowth एक NBFC-ML (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी मिड-लेयर) है, जो महिला उद्यमियों को MSME फाइनेंसिंग के जरिए सपोर्ट करती है।

महिला उद्यमियों को बढ़ावा देने की जरूरत- CII के एक कार्यक्रम में बोलते हुए डावरा ने कहा कि आने वाले समय में कई ऐसे सेक्टर हैं, जहां महिलाओं की भागीदारी और बढ़ सकती है। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत महिलाओं की शिक्षा को मजबूत करने की जरूरत बताई। उन्होंने महिला उद्यमियों के लिए आर्थिक सहायता और सही मार्गदर्शन (मेंटरशिप) को भी जरूरी बताया। महिलाओं के सामने नौकरी पाने और उसे बनाए रखने में कई चुनौतियां हैं। जैसे कि काम के कम मौके, पुरुषों की तुलना में कम वेतन, नौकरी की सुरक्षा को लेकर चिंता, घर और करियर के बीच संतुलन बनाने की मुश्किल।

डावरा का कहना है कि 45त्र महिलाएं घर-परिवार और बच्चों की देखभाल के कारण नौकरी नहीं कर पातीं। हालांकि, पिछले छह सालों में महिलाओं की आर्थिक भागीदारी में अच्छी बढ़ोतरी हुई है। डावरा ने बताया कि आज महिलाएं सेवा क्षेत्र, टेक्नोलॉजी, वित्त और मैन्युफैक्चरिंग में बेहतरीन काम कर रही हैं।

शेयर बाजार की धमाकेदार वापसी, अचानक क्यों बदला माहौल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार की कई दिन की गिरावट पर ब्रेक लग गया है। बाजार में बुधवार को जोरदार तेजी आई और दोनों मानक लंबी छलांग लगा गए। बीएसई सेंसेक्स जहां 740 अंक चढ़ गया, वहीं एनएसई निफ्टी में 10 दिन से जारी गिरावट पर विराम लगा। बाजार के इस बदले हुए माहौल की वजह क्या है, आइए जान लेते हैं।

शेयर बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय शेयर बाजार में बढ़त शॉर्ट-कवरिंग के कारण हो सकती है, क्योंकि निवेशकों, खासकर एफआईआई ने भारतीय शेयरों में भारी शॉर्ट पोजीशन रखी है। प्रॉफिटमार्ट सिक्योरिटीज के रिसर्च हेड अविनाश गोरक्षकर ने कहा-यह एक राहत रैली हो सकती है। अमेरिकी डॉलर की दरों में गिरावट के बाद एफआईआई शॉर्ट-कवरिंग कर सकते हैं। अमेरिकी मुद्रा दिसंबर 2024 के बाद से अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी डॉलर इंडेक्स आज लाल रंग में कारोबार कर रहा है। यही वजह है कि विदेशी निवेशक यानी एफआईआई अमेरिकी मुद्रा बाजार में मुनाफावसूली कर भारतीय शेयर बाजार में अपनी शॉर्ट पोजीशन कवर कर रहे हैं। मेहता इक्विटीज लिमिटेड के प्रशांत तापसे ने कहा कि वैश्विक बाजारों में मजबूत संकेतों के साथ घरेलू सूचकांकों में तेजी आई।

टैरिफ वॉर ने बढ़ाया सोने का भाव, चांदी भी चमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी टैरिफ वॉर के बीच सुरक्षित निवेश की मांग बढ़ने से मंगलवार को सोने की कीमतों में जबरदस्त उछाल आया। राष्ट्रीय राजधानी में सोना 1,100 रुपये बढ़कर फिर से 89,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया। ऑल इंडिया सर्राफा एसोसिएशन के मुताबिक, ज्वेलर्स और स्टॉकिस्ट्स की बढ़ी हुई खरीदारी और वैश्विक बाजारों में मजबूती के चलते यह तेजी देखने को मिली।

24 कैरेट शुद्धता वाला सोना 1,100 रुपये की उछाल के साथ 89,000 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। वहीं, 99.5 फीसदी शुद्धता वाला सोना 1,100 रुपये चढ़कर 88,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया।

ट्रेडर्स के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार से कनाडा, मैक्सिको और चीन पर भारी टैरिफ लगाने की पुष्टि की, जिसके बाद बुलियन मार्केट में तेजी आई। इसके जवाब में चीन और कनाडा ने भी अमेरिका के खिलाफ जवाबी टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी, जिससे वैश्विक व्यापार तनाव और बढ़ गया।

सोने की मजबूती का असर चांदी पर भी पड़ा, जो 1,500 रुपये उछलकर 98,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। इससे पहले सोमवार को यह 96,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर अप्रैल डिलीवरी वाला सोना 806 रुपये बढ़कर 86,190 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। वहीं, मई डिलीवरी वाली चांदी 472 रुपये उछलकर 96,482 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई।

वैश्विक बाजारों में भी सोने में तेजी- अंतरराष्ट्रीय बाजार में कॉमेक्स पर अप्रैल डिलीवरी वाला सोना 32.70 डॉलर यानी 1.13% की बढ़त के साथ 2,933.80 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। वहीं, स्पॉट गोल्ड भी 1% बढ़कर 2,921.42 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रहा था।

HDFC सिक्योरिटीज के सीनियर एनालिस्ट सौमिल गांधी के मुताबिक, अमेरिका में सोमवार को जारी हुआ ISM मैन्युफैक्चरिंग PMI डेटा उम्मीद से कमजोर रहा। इससे अर्थव्यवस्था को लेकर चिंता और गहरा गई। इसके अलावा, बीते हफ्ते कमजोर हाउसिंग डेटा, बढ़ती बेरोजगारी दर और घटती उपभोक्ता खर्च रिपोर्ट ने निवेशकों को डरा दिया।

संकट में फंसती नजर आ रही यह कंपनी! रेटिंग एजेंसी की चेतावनी, शेयर बेचने की होड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। जेनसोल इंजीनियरिंग के शेयर लगातार कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर में आज बुधवार को भी 10% तक टूट गए। इसी के साथ यह 372.60 रुपये के इंट्रा डे लो प्राइस पर आ गया। यह इसका 52 वीक का लो प्राइस भी है। इससे पहले बीते मंगलवार को यह शेयर 20% तक लुढ़क गया था। यानी सिर्फ दो कारोबारी दिन में ही इसमें 30त्र तक की गिरावट देखी गई। बता दें कि शेयरों में इस गिरावट के पीछे एक निगेटिव खबर है।

दरअसल, रेटिंग एजेंसी ICRA ने जेनसोल इंजीनियरिंग लिमिटेड की कर्ज अदायगी में चल रही देरी के बारे में अलर्ट किया है और रेटिंग घटा दी है।

कंपनी के लेंडर्स से प्राप्त फीडबैक के बाद उसकी रेटिंग को घटाकर डी कर दिया है। ICRA ने आरोप लगाया है कि जेनसोल इंजीनियरिंग द्वारा अपने कर्ज सर्विसिंग ट्रैक रिकॉर्ड पर उनके साथ शेयर किए गए कुछ दस्तावेज स्पष्ट रूप से फर्जी थे, जिससे इसकी लिक्विडिटी स्टेटस समेत कॉर्पोरेट एडमिनिस्ट्रेशन प्रैक्टिस पर चिंताएं बढ़ गई हैं। ICRA का यह कदम CARE रेटिंग्स द्वारा कर्ज भुगतान में देरी के कारण जेनसोल इंजीनियरिंग को डाउनग्रेड करने के ठीक एक दिन बाद आया है।

PMI डेटा से मिली खुशखबरी; पटरी पर लौट रही इकोनॉमी, रोजगार भी बढ़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के सेवा क्षेत्र में फरवरी में जबरदस्त उछाल देखने को मिला, जिसका प्रमुख कारण घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मांग में तेजी रहा। इस बढ़ती मांग के चलते उत्पादन में तेजी आई और कंपनियों ने बड़े पैमाने पर नई भर्तियां कीं। यह जानकारी बुधवार को जारी मंथली सर्वे- HSBC इंडिया सर्विसेज PMI बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स से मिली। यह जनवरी के 26 महीने के निचले स्तर 56.5 से बढ़कर फरवरी में 59.0 पर पहुंच गया, जो मजबूत विकास दर का संकेत देता है।

PMI इंडेक्स का मतलब क्या है- परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स में 50 से ऊपर का स्कोर विकास को बताता है, जबकि 50 से नीचे का स्कोर गिरावट को दर्शाता है।

HSBC की मुख्य भारतीय अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, फरवरी में भारत का सेवा क्षेत्र गतिविधि सूचकांक 59.0 तक पहुंच गया, जो जनवरी के 26 महीने के निचले स्तर 56.5 से काफी ऊपर है। ग्लोबल डिमांड बीते छह महीनों में सबसे तेज गति से बढ़ी। इसने भारत के सेवा क्षेत्र के उत्पादन में वृद्धि में अहम भूमिका निभाई।

नई डिमांड और अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर ने दी रफ्तार- इस सर्वे के अनुसार, उत्पादकता में सुधार, मजबूत मांग और नए ऑर्डर की आवक के कारण सेवा क्षेत्र की ग्रोथ को बढ़ावा मिला। अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जिसमें अफ्रीका, एशिया, यूरोप, अमेरिका और मिडिल ईस्ट से बेहतर मांग दर्ज की गई।

रोजगार के मोर्चे पर बड़ी छलांग- बढ़ते ऑर्डर्स और कैपेसिटी प्रेशर को कम करने के लिए भारतीय सेवा क्षेत्र की कंपनियों ने नए कर्मचारियों की भर्ती तेज कर दी। सर्वे के अनुसार, नौकरी देने की रफ्तार 2005 से डेटा कलेक्शन शुरू होने के बाद के सबसे तेज स्तरों में से एक रही।

प्रांजुल भंडारी ने आगे कहा, फरवरी में रोजगार सृजन और कीमतों में बढ़ोतरी की प्रवृत्ति मजबूत बनी रही। आगे के लिए बिजनेस सेंटिमेंट पॉजिटिव बना हुआ हैष हालांकि यह अगस्त 2024 के बाद के सबसे निचले स्तर पर आ गया है।

विज्ञापन से बड़ी मदद - सर्वे के मुताबिक, बेहतर विज्ञापन रणनीति, ग्राहक संबंधों में सुधार, उत्पादकता बढ़ने और मांग के मजबूत रहने से आने वाले साल में सेवा क्षेत्र में और ग्रोथ की उम्मीद है। 25त्र कंपनियों ने भविष्य में ग्रोथ का अनुमान लगाया है। 2त्र से भी कम कंपनियों ने नकारात्मक नजरिया जताया है।

सर्वे से यह भी पता चलता है कि रोजगार के अवसर जनवरी के रिकॉर्ड स्तर के करीब रहे। प्राइवेट सेक्टर में लागत दबाव पिछले अक्टूबर के बाद से सबसे कम स्तर पर रहा।

1 के शेयर में 49000% की तूफानी तेजी, 6 साल के हाई पर पहुंचा भाव, खरीदने की लूट

नई दिल्ली (एजेंसी)। अवंती फीड्स के शेयर आज बुधवार को कारोबार के दौरान फोकस में रहे। कंपनी के शेयर 10 पर्सेंट तक चढ़कर 815 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। इसी के साथ कंपनी के शेयर आज छह साल के हाई लेवल पर पहुंच गए। एक्वाकल्चर कंपनी का शेयर मई 2018 के बाद से अपने उच्चतम स्तर पर कारोबार कर रहा था। बता दें कि 13 नवंबर, 2017 को यह 1,000 रुपये के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया था।

शेयरों में इस तेजी के पीछे एक डील है। दरअसल, मंगलवार 4 मार्च, 2025 को, थाई यूनियन एशिया इन्वेस्टमेंट होल्डिंग लिमिटेड ने 728 रुपये प्रति शेयर की कीमत पर 5.98 मिलियन इक्विटी शेयर बेचे, जो अवंती फीड्स की कुल इक्विटी का 4.39 प्रतिशत है। एक्सचेंज डेटा से पता चलता है कि आईएफएल फैसिलिटीज सर्विसेज लिमिटेड ने एनएसई पर बल्क डील के जरिए समान कारोबार प्राइस पर कंपनी की समान मात्रा खरीदी।

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in
24x7 News portal

सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

jagrayam.com
online news magazine

ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए

हिन्दकुश मीडिया

hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

14 मार्च पर लगेगा चंद्र ग्रहण, करीब साढ़े तीन घंटे तक चलेगा

उज्जैन। खगोलीय गणना के अनुसार 14 मार्च को साल का पहला पूर्ण चंद्र ग्रहण होगा। हालांकि यह ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा। वर्ष 2025 में चार ग्रहण होंगे। इनमें दो चंद्र ग्रहण तथा दो सूर्य ग्रहण रहेंगे। इनमें से केवल 7 सितंबर को होने वाला चंद्र ग्रहण ही भारत में दिखाई देगा। ज्योतिषाचार्य पं.अमर डब्बावाला ने बताया कि जो ग्रहण दिखाई नहीं देते हैं, उनका सूतक मान्य नहीं होता है।

शासकीय जीवाजी वेधशाला के अधीक्षक प्रो.राजेंद्र प्रकाश गुप्त ने बताया वर्ष 2025 में चार ग्रहण होंगे। इनमें 14 मार्च को पूर्ण चंद्र ग्रहण के रूप में पहला ग्रहण रहेगा। यह ग्रहण सुबह 10 बजकर 39 मिनट पर शुरू होगा। दोपहर 12 बजकर 29 मिनट पर ग्रहण का मध्य रहेगा। इस दौरान चंद्रमा पूरी तरह ग्रस्तोदित दिखाई देगा।इन देशों में दिखाई देगा ग्रहण

दोपहर 2 बजकर 18 मिनट पर ग्रहण का मोक्ष होगा। यह ग्रहण अमेरिका, पश्चिम यूरोप, पश्चिम अफ्रीका, अटलांटिक महासागर में रहेगी। इसी प्रकार 29 मार्च को आशंकि सूर्यग्रहण रहेगा। इसकी शुरुआत दोपहर 2 बजकर 20 मिनट पर होगी। यह ग्रहण अमेरिका, ग्रीनलैंड, आइस लैंड, यूरोप व उत्तर पश्चिम रसिया में दिखाई देगा।

सितंबर में इस तारीख को लगेगा पूर्ण चंद्रग्रहण

तीसरी खगोली घटना 7 सितंबर को पूर्ण चंद्रग्रहण के रूप में होगी। यह ग्रहण पूरे भारत सहित उज्जैन में भी दिखाई देगा। रात 9 बजकर 56 मिनट पर चंद्र ग्रहण की शुरुआत होगी। रात 11 बजकर 41 मिनट पर ग्रहण का मध्य तथा रात 1 बजकर 26 मिनट पर ग्रहण का मोक्ष होगा।

यह ग्रहण काफी लंबा है, इसकी अवधि 3 घंटा 30 मिनट की रहेगी। साल 2025 का आखिरी ग्रहण 21 सितंबर को आंशिक सूर्यग्रहण के रूप में रहेगा।

मध्य प्रदेश में ठंड का यू-टर्न, कई शहरों में सर्द हवाएं चली, आगे यह है अनुमान

भोपाल। वर्तमान में किसी मौसम प्रणाली के सक्रिय नहीं रहने के साथ ही हवाओं का रुख भी उत्तरी एवं उत्तर-पश्चिमी हो गया है। लगातार सर्द हवाओं के चलने से मध्य प्रदेश में एक बार फिर रात के तापमान में काफी गिरावट हुई है।इसी क्रम में बुधवार को प्रदेश में सबसे कम आठ डिग्री सेल्सियस तापमान राजगढ़ में दर्ज किया गया। गुना में रात का तापमान 9.8 डिग्री सेल्सियस पर रहा। हिल स्टेशन पचमढ़ी में रात का पारा 10.3 डिग्री सेल्सियस पर रहा। दिन का सबसे कम 26.5 डिग्री सेल्सियस तापमान रीवा में रिकार्ड किया गया। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक गुरुवार को ठंड का मिजाज इसी तरह बना रह सकता है। शुक्रवार से तापमान में कुछ बढ़ोतरी हो सकती है।इसी क्रम में बुधवार को प्रदेश में सबसे कम आठ डिग्री सेल्सियस तापमान राजगढ़ में दर्ज किया गया। गुना में रात का तापमान 9.8 डिग्री सेल्सियस पर रहा। हिल स्टेशन पचमढ़ी में रात का पारा 10.3 डिग्री सेल्सियस पर रहा। दिन का सबसे कम 26.5 डिग्री सेल्सियस तापमान रीवा में रिकार्ड किया गया। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक गुरुवार को ठंड का मिजाज इसी तरह बना रह सकता है। शुक्रवार से तापमान में कुछ बढ़ोतरी हो सकती है।

गैंगस्टर बनने के लिए शूट करवाया गाना, ग्वालियर शहर में लगवाए होर्डिंग

ग्वालियर। ग्वालियर शहर के मुरार स्थित घोसीपुरा में जमीन कारोबारी अजय सिंह राणा पर जानलेवा हमला करने की वारदात को अंजाम देने वाला सरगना केशव यादव गैंगस्टर बनने की राह पर है। उसने शहर की सड़कों से लेकर सोशल मीडिया तक पर विलेन बनकर गाना शूट करवाया।

सिस्टम नाम से बने इस गाने के पोस्टर पूरे शहर की सड़कों पर लगाए गए। वीडियो गाने में केशव यादव शहर के ही कुछ गुंडों के साथ विलेन का रोल करता नजर आ रहा है। हथियारों से लैस होकर रोल कर रहा है। यह वीडियो सोमवार को सामने आया। पुलिस के पास भी वीडियो पहुंचा है।केशव के साथ उसके साथियों की तलाश यहां बता दें कि आरोपित केशव यादव अभी इस मामले में फरार चल रहा है। उसकी और फरार साथियों की तलाश चल रही है। मुरार थाना प्रभारी मदन मोहन मालवीय ने बताया कि इस वीडियो में जिस तरह का कंटेंट है, वह भी सामान्य नहीं है।

उसके पास कई हथियार नजर आ रहे हैं। यह हथियार कहां से आए, इस बारे में पड़ताल की जाएगी। उसके साथ वीडियो में अनैतिक काम से जुड़े कुछ और लोग भी नजर आ रहे हैं। यह भी रडार पर हैं। इनसे भी थाने बुलाकर पूछताछ की जाएगी।

पूरे शहर में पोस्टर लगे, पुलिस को भनक तक नहीं लगी सिस्टम नाम से यह गाना लांच हुआ। जिसमें केशव यादव और उसकी गैंग का महिमा मंडन किया गया है। इसके पोस्टर पूरे शहर में लगे, लेकिन पुलिस को भनक तक नहीं लगी। जबकि क्राइम ब्रांच पर जिम्मेदारी है, शहर में पनप रहे नए गैंग पर निगाह रखना।

मुरार थाना पुलिस को भी पता नहीं लगा। आरोपितों की इंस्टाग्राम और फेसबुक आइडी पर हथियारों के साथ कई फोटो, वीडियो हैं।लग्जरी गाड़?यां, गाना बनाने पर लाखों खर्च, कहां से आया पैसा आरोपितों के पास लग्जरी गाड़ियां हैं। गाना बनाने पर लाखों रुपये खर्च किए। अलग-अलग लोकेशन पर गाना शूट हुआ। आखिर इतना पैसा इनके पास कहां से आया, इस बारे में पड़ताल की जरूरत है। नए कानून में अपराध से अर्जित संपत्ति राजसात करने का प्रविधान है। इस दिशा में पुलिस जांच ही नहीं करती।

गैंग के बारे में कर रहे पड़ताल

मुरार में जानलेवा हमला करने वाले फरार आरोपितों को जल्द ही पकड़ लिया जाएगा। दो आरोपित पकड़े जा चुके हैं। यह गाना कब शूट हुआ, कौन-कौन इसमें शामिल है, जांच करा रहे हैं। इस गैंग के बारे में पड़ताल करा रहे हैं।

-धर्मवीर सिंह, एसएसपी

प्रैक्टिकल रिजल्ट बिगाड़ने की धमकी देकर शिक्षक ने छात्रा से मांगे 50 हजार, गिरफ्तार

रतलाम/आलोट। जिले के ताल नगर में स्थित न्यू आर्यवीर सीनियर सेकंडरी स्कूल के एक शिक्षक द्वारा प्रैक्टिकल का रिजल्ट बिगाड़ने के नाम पर 12वीं की छात्रा से पचास हजार रुपये की मांग करने तथा नहीं देने पर माता-पिता को जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। छात्रा के काका की रिपोर्ट पर ताल पुलिस ने आरोपित शिक्षक प्रदीप सिंह निवासी ग्राम लसुड़िया खेड़ी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।जानकारी के अनुसार छात्रा के काका ने ताल थाने पर रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनकी बड़ी भतीजी 12वीं तथा छोटी भतीजी कक्षा नौवीं में न्यू आर्यवीर सीनियर सेकंडरी स्कूल ताल में पढ़ती है।

घर के लेनदेन का काम बड़ी भतीजी करती है, उसे पता रहता है कि घर में किस जगह रुपये रखे रहते हैं।

दो मार्च 2025 को बड़ी भतीजी ने उसके पिता से कहा कि उसे पचास हजार रुपये की आवश्यकता है।

तब मैने व बड़े भाई ने उससे पूछा कि इतने रुपयों की क्यों आवश्यकता है, तब उसने बताया कि एक मार्च को स्कूल की एक?स?ट्रा कलास गई थी।तब स्कूल के शिक्षक प्रदीप सिंह निवासी ग्राम लसुड़ियाखेड़ी ने साइड में बुलाकर धमकी दी थी कि घर से पचास हजार रुपये लेकर आना।

नहीं तो तेरी प्रैक्टिकल की परीक्षा का रिजल्ट खराब कर दूंगा, तेरा भविष्य भी खराब कर दूंगा।

उसने कहा कि वह इतने रुपये कहां से लेकर आएगी तो प्रदीप सिंह ने कहा कि घर से यदि रुपये लेकर नहीं आई तेरी मम्मी व पापा को जान से खत्म कर देगा।

जब भतीजी से पूछा कि छह माह पहले घर से 80 हजार रुपये गायब हुए थे, वह भी क्या प्रदीप सिंह को दिए थे तो उसने कहा कि उसने पहले भी धमकी देकर रुपये मंगाए थे। तब मम्मी-पापा की मृत्यु के डर के कारण उसने यह बात किसी को नहीं बताई थी।

माधव नेशनल पार्क होगा प्रदेश का 9वां बाघ संरक्षित क्षेत्र-मुख्यमंत्री यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि भारत में टाइगर स्टेट का दर्जा हासिल कर चुके मध्यप्रदेश को जल्द ही एक नए टाइगर रिजर्व पार्क की सौगात मिलने जा रही है। शिवपुरी जिले का माधव नेशनल पार्क प्रदेश का 9वां बाघ संरक्षित क्षेत्र होगा, जो चंबल क्षेत्र में वन्य जीव प्रेमियों के लिए पर्यटन का प्रमुख केंद्र बनकर उभरेगा।

मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि वे स्वयं बाघों का एक जोड़ा माधव नेशनल पार्क में छोड़ेंगे। चंबल रेंज में पर्यटकों की संख्या में वृद्धि से स्थानीय युवाओं को रोजगार-स्वरोजगार के अवसर मिलेंगे। एशिया में पहली बार चीते भी चंबल के कूनो नेशनल पार्क में दिखाई दे रहे हैं। चंबल नदी क्षेत्र में घड़ियाल एवं डॉल्फिन प्रोजेक्ट पर भी कार्य चल रहा है।मुख्यमंत्री यादव ने बुधवार को मीडिया को जारी संदेश में कहा कि देश में सबसे ज्यादा टाइगर मध्यप्रदेश में हैं, जिन्हें देखने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक मध्यप्रदेश आते हैं। बाघ संरक्षित क्षेत्र में जंगल सफारी का आनंद लेने के लिए सभी नेशनल पार्कों में सीजन भर पर्यटकों का आवागमन रहता है।

उपभोक्ताओं के हित में शासन-प्रशासन का नवाचार

इंदौर। इंदौर जिले में उपभोक्ताओं के हित में और उचित मूल्य दुकानों को आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाने के लिए शासन-प्रशासन द्वारा नवाचार किया जा रहा है। कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशन में जिले में शासकीय उचित मूल्य दुकानों की सूरत और सीरत बदलने लगी है। अब शासकीय उचित मूल्य दुकानों से उपभोक्ताओं को राशन के साथ ही गुणवत्तापूर्ण दुग्ध उत्पाद और अन्य पोषण सामग्रियाँ भी उचित मूल्य पर देने की व्यवस्था शुरू की जा रही हैं। इन दुकानों से जैविक उत्पाद भी उपलब्ध कराये जाने की योजना है। साथ ही होम डिलेवरी के माध्यम से भी उक्त सामग्री पहुँचाने की व्यवस्था भी बनाई जा रही है। पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में प्रदेश में पहली बार यह व्यवस्था इंदौर से प्रारंभ हो रही है।

खाद्य नागरिक एवं आपूर्ति विभाग के जिला आपूर्ति नियंत्रक श्री एम.एल. मारू ने बताया कि पायलट प्रोजेक्ट के अंतर्गत जिले में 30 चिह्नित मूल्य दुकानों पर ÷जन पोषण केंद्र÷ की स्थापना की जा रही है। जिसकी तैयारी अंतिम चरण में है। जन पोषण योजना का मुख्य उद्देश्य उचित मूल्य दुकान पर आम हितग्राहियों और उपभोक्ताओं को राशन के साथ-साथ पोषण से संबंधी आवश्यक जरूरी सामग्री आसानी से उपलब्ध हो सकें। जिसमें मुख्य रूप से मोटा अनाज जैसे- ज्वार, बाजरा, मक्का, दालें, रागी, राजमा, चना, दूध, पनीर आदि शामिल है। सभी को उचित मूल्य के साथ-साथ पौष्टिक एवं गुणवत्ता युक्त पोषण सामग्री सुलभता से प्राप्त हो।

जिला आपूर्ति नियंत्रक श्री मारू के मुताबिक सरकारी राशन की दुकानों को पोषण केंद्रों में बदलने की यह एक अभिनव पहल है। इसका मकसद, लोगों को पोषण से भरपूर खाद्य पदार्थ मुहैया कराना है। उपभोक्ता भंडार के विक्रेता द्वारा पोषण संबंधी विशेष तौर पर उचित दर एवं क्वालिटी के साथ दी जाने का प्रयास किया जाता है। उचित मूल्य की सभी दुकानों से गुणवत्तायुक्त दूध, दही, पनीर आदि उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है। इसके लिए विशेष फ्रीजर का इस्तेमाल किया जायेगा। जन पोषण केंद्र के माध्यम से उपभोक्ताओं को मोटा अनाज, दालें इत्यादि सामग्री होम डिलीवरी से भी देने की तैयारी अंतिम चरण में है। उचित मूल्य की दुकानों पर जन पोषण केन्द्र शुरू हो जाने के बाद उपभोक्ताओं को तो लाभ होगा ही, इसके साथ ही राशन डीलरों की आय में भी वृद्धि होगी और लोगों को पोषण से भरपूर खाद्य पदार्थ मिलेंगे।

खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं सार्वजनिक वितरण विभाग भारत सरकार द्वारा पायलट प्रोजेक्ट अंतर्गत मध्यप्रदेश में इंदौर जिले की 30 उचित मूल्य दुकानों का चयन किया गया है। उल्लेखनीय है कि उचित मूल्य दुकानों के डीलर्स को पांच दिवसीय प्रशिक्षण विगत 13 से 17 जनवरी को राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान नंदा नगर सुखलिया में प्रदान किया जा चुका है। प्रशिक्षण पश्चात सभी विक्रेताओं का ऑनलाइन टेस्ट लिया गया, जिसके पश्चात विक्रेताओं को सर्टिफिकेट वितरित किये गए। पीडीएस की सामग्री के अलावा अन्य सामग्री विक्रय, पोषण संबंधी वस्तुएं प्राथमिकता से विक्रय करने, उचित मूल्य दुकानों को बहुउद्देशीय बनाने, भंडार संचालक को अतिरिक्त सामग्री बिक्री से आमदनी कैसे बढ़े और आम उपभोक्ताओं को पोषण संबंधी वस्तुएँ सुलभ प्राप्त हो।

जन पोषण केंद्रों से जुड़ी खास बातें- जन पोषण केंद्रों में पोषण से जुड़े उत्पादों का भंडारण होगा। इन केंद्रों में राशन डीलरों को आय का एक और ज़रिया मिल सकेगा। इन केंद्रों में राशन डीलरों को आसान लोन की सुविधा भी मिलेगी। केंद्रों में उद्यमिता विकास के लिए प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। इन केंद्रों में डिजिटल टूल्स और सहायता प्रणालियों का इस्तेमाल किया जाएगा।

ट्राइबल फैशन शो में रैंप पर उतरीं आदिवासी महिलाएं

इंदौर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में वूमंस प्रेस क्लब,मप्र द्वारा गाँधी हॉल में ट्राइबल फैशन शो का आयोजन किया गया। प्रोफेशनल मॉडल की जगह आदिवासी समाज की महिलाएं परम्परागत वेशभूषा के साथ रैंप पर उतरी। आदिवासी अंचलों की महिलाओं ने रैंप वॉक पर अपने पारंपरिक परिधान, आभूषण, भगोरिया नृत्य, गुड़िया कला, पिथोरा कला एवं आदिवासी लोक चित्रकला का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया थीं। अध्यक्षता सांसद शंकर लालवानी ने की। विशेष अतिथि जीतू जिराती, प्रवीण कक्कड़, जीतेन्द्र सोनी, पं. योगेन्द्र महंत एवं रीना बोरासी थे। अतिथियों ने कहा कि आदिवासी अंचल की महिलाओं के माध्यम से आदिवासी कला को व्यापक मंच देकर वूमंस प्रेस क्लब ने अपने नाम को चरितार्थ किया है।

इस अवसर पर मंत्री महोदया एवं अन्य अतिथियों ने समाज में विशेष योगदान देने वाले डॉ. प्रशांत चौबे एडिशनल एस.पी., श्री राजेश दंडोतिया एडिशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच इंदौर, श्री सुदीप मीणा डिप्टी कलेक्टर इंदौर, श्री महेंद्र सोनगिरा संपादक, एमपी न्यूज़ इंदौर, श्री रंजीत सिंह सिंघम यातायात पुलिस इंदौर, गोविंद माहेश्वरी सामाजिक कार्यकर्ता, डॉ. मोहिनी वर्मा वरिष्ठ पत्रकार, धार, श्रीमती रागनी सोनी एजीएम एडमिन ओमेक्स ग्रुप, श्री जीतू सोनी जनरल मैनेजर ओमैक्स ग्रुप, सुश्री गायत्री शर्मा बिजनेस वुमन एवं डॉ. चेतना दीक्षित दंत एवं मुख रोग विशेषज्ञ को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। अतिथियों ने वूमंस प्रेस क्लब की स्मारिका का विमोचन भी किया।

यूनियन कार्बाइड के अपशिष्ट का द्वितीय ट्रायल रन 05 मार्च की शाम से होगा प्रारंभ

इंदौर। उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा रिट याचिका क्रमांक 2802/2004 (आलोक प्रताप सिंह विरुद्ध यूनियन ऑफ इंडिया एवं अन्य) में 18 फरवरी 2025 को पारित आदेशानुसार यूनियन कार्बाईड के अपशिष्ट का द्वितीय ट्रायल रन 04 मार्च 2025 से किये जाने के निर्देश दिये गये हैं। प्रथम ट्रॉयल 03 मार्च 2025 को सायं 06=30 बजे तक किया गया, तत्पश्चात् इन्सीनरेटर की कूलिंग के लिये छोड़ा गया, जिसमें लगभग 18 से 20 घंटे का समय लगता है। इन्सीनरेटर की गैसों की क्लीनिंग, बैग फिल्टर की सफाई के कारण 04 मार्च 2025 को द्वितीय ट्रॉयल रन प्रारंभ नहीं किया जा सका है, जिसके 05 मार्च 2025 को सायं तक प्रारंभ होने की संभावना है।

टीएसडीएफ परिसर एवं ग्राम-तारपुरा, चीराखान एवं बजरंगपुरा की परिवेशीय वायु गुणवत्ता निर्धारित मानक सीमा के भीतर पाई गई है। अपशिष्ठ के प्रथम ट्रॉयल रन की अवधि के दौरान 02 मार्च 2025 से 03 मार्च 2025 तक बोर्ड द्वारा किये गये परिवेशीय वायु गुणवत्ता मापन परिणाम संलग्न टेबल अनुसार पाये गये हैं।

मथुरा वृंदावन का फाग, ओर बरसाने के गीत

राजपूत समाज युवा चेतना मंडल का रंगारंग फागोत्सव 7 मार्च को

इदौर। परंपरा के गौरव को निर्वाह करने में राजपूत समाज हमेशा अग्रणी रहा है । राजपूत समाज युवा चेतना मंडल 7 मार्च को रंगारंग फाग उत्सव का आयोजन इंदौर के पूर्वी क्षेत्र में करने जा रहा है जिसमें हजारों की संख्या में समाज जनों की उपस्थिति रहेगी ।

राजपूत समाज युवा चेतना मंडल के अध्यक्ष सुनीलसिंह उमठ, मनोहर सिंह चौहान कमलेश्वर सिंह सिसोदिया श्रीमती रेणु परिहार ने बताया कि रइस रंगारंग त्यौहार को कनकेश्वरी देवी मैदान के समीप में महाकाल परिसर में किया जा रहा है 7 मार्च को शाम 5बजेसे इस आयोजन की शुरुआत होगी जिसमें मथुरा वृंदावन के श्रेष्ठ कलाकारों की प्रस्तुतियां दीजाएगी, मधुर भजन और मालवी गीतों की तैयारी की जा रही है जो फागोत्सव में प्रस्तुत किए जाएंगे। इस आयोजन में विशेष प्रस्तुतियों के लिए मथुरा वृंदावन के कलाकार आ रहे हैं वहीं मातृशक्तियों भी प्रस्तुति की भी तैयारियों हो रही है।

2 क्विंटल फूल और हर्बल कलर का होगा उपयोग- राजपूत समाज युवा चेतना मंडल महिला प्रकोष्ठ के अध्यक्ष श्रीमती रेणु परिहार ने बताया कि आयोजन के लिए भव्य तैयारियां की जा रही है 7 मार्च को शाम 5बजे तकरीबन 500 से ज्यादा राजपूत परिवार इस आयोजन के सहभागी बनेंगे ।वहीं 2 क्विंटल फूल एवं हर्बल कलर की व्यवस्था की गई है। इसके साथ सुगंधित इत्र की भी खुशबू बिखरेगी।

नेशनल लोक अदालत 08 मार्च को, लोक अदालत में विद्युत के मामलों के निराकरण में मिलेगी विशेष छूट

इंदौर। कार्यपालक अध्यक्ष राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष श्री अजय श्रीवास्तव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, इन्दौर के मार्गदर्शन में 08 मार्च-2025 (शनिवार) को जिला न्यायालय, इन्दौर, श्रम न्यायालय, कुटुम्ब न्यायालय, उपभोक्ता फोरम, म.प्र. भू-सम्पदा विनियामक प्राधिकरण एवं तहसील स्तर पर तहसील न्यायालय, डॉ. अम्बेडकर नगर, देपालपुर, सांवेर व हातोद में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। आयोजित नेशनल लोक अदालत में विभिन्न न्यायालयों में लंबित प्रकरण राजीनामे हेतु रखे गये हैं, जिनके अंतर्गत राजीनामा योग्य आपराधिक, सिविल, मोटर दुर्घटना क्लेम, विद्युत, चेक बाउंस, भू-अर्जन, वैवाहिक, भरण-पोषण, आपराधिक अपील, सिविल अपील, बजावरी अन्य प्रकरणों के साथ ही बैंक रिकवरी, विद्युत व अन्य से संबंधित प्री-लिटिगेशन प्रकरण राजीनामे के आधार पर निराकरण हेतु रखे जा रहे हैं।

जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री मिथिलेश डेहरिया ने बताया कि इस नेशनल लोक अदालत में आपराधिक, सिविल, वैवाहिक, मोटर दुर्घटना, चैक बाउंस, श्रम न्यायालय, उपभोक्ता मामले एवं अन्य प्रकरणों सहित विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 126 एवं 135 के अंतर्गत बनाये गये विद्युत उपभोक्ताओं के प्रकरणों का निराकरण किया जायेगा। विद्युत विभाग से संबंधित प्रकरणों में ऊर्जा विभाग मध्यप्रदेश शासन भोपाल के निर्देशानुसार 08 मार्च को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत में आंकलित सिविल दायित्व की राशि रूपये 10 लाख तक के प्रीलिटिगेशन प्रकरणों पर 30 प्रतिशत एवं लिटिगेशन प्रकरणों पर 20 प्रतिशत छूट रहेगी। साथ ही आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले चक्रवृद्धि ब्याज की 100 प्रतिशत छूट प्रदान की जायेगी। ऐसे समस्त विद्युत उपभोक्ता जिनके प्रकरण विशेष न्यायालय इन्दौर में लंबित है अथवा न्यायालय मंर दर्ज किया जाना शेष है, वे नेशनल लोक अदालत में दी जा रही छूट का लाभ प्राप्त कर अपने मामले का स्थाई निराकरण प्राप्त कर सकते हैं। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री शिवराज सिंह गवली ने नेशनल लोक अदालत में समस्त पक्षकारों से अपने-अपने प्रकरणों का आपसी सहमति एवं सुलह के आधार पर निराकरण कराये जाने की अपील की है।

hindkush.in
24x7 News portal
दैनिक हिन्दकुश
jagrayam.com
online news magazine
सर्वे भवन्तु सुखिनः
भोपाल, इंदौर, उज्जैन, से प्रकाशित
संपादक मंडल
श्री संजय ज्ञानी – संपादकीय सलाहकार
श्री संजय व्यास – संपादकीय सलाहकार डिजिटल
सुश्री परम चैतन्य – कार्यकारी संपादक
डॉ. चमन सिंह राजौरा – उप संपादक
श्री आशीष उपाध्याय – विशेष संवाददाता व विधि सलाहकार
श्री भुवनेश भार्गव – विशेष संवाददाता
श्री शिरीष राव मोरे – ब्यूरो प्रमुख
श्री नरेन्द्र राठौर – संवाददाता
श्री धर्मेंद्र राठौर – संवाददाता
श्री कौशल कांतिदास वैरागी – विशेष प्रतिनिधि

मृत्युंजय महाकाल त्राहिमाम शरणागतः ,
जन्म मृत्यु जरा व्याधि पीड़ितो कर्म बंधनाह
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर प्रभु सभी को आरोग्यता प्रदान करें।

महाकाल क्षेत्र अंतर्गत 500 मीटर के दायरे में चल रहे निर्माण कार्यों की जांच करवाई जाए साथ ही यातायात को सुगम बनाने हेतु निरंतर कार्यवाही करते रहे- महापौर

महापौर द्वारा वार्ड भ्रमण अंतर्गत वार्ड क्रमांक 32 एवं 33 का निरीक्षण किया गया

उज्जैन। वार्ड भ्रमण के अंतर्गत बुधवार को महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा वार्ड क्रमांक 33 की क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती लीला वर्मा, एमआईसी सदस्यों एवं निगम अधिकारियों के साथ भ्रमण किया गया,वार्ड अंतर्गत महापौर द्वारा अधिकारियों को निर्देश दिए गए की उक्त वार्ड अंतर्गत चौबीस खंबा माता मंदिर में सौंदर्यकरण कार्य करवाए जाने, महाकाल क्षेत्र के अंतर्गत 500 मीटर के दायरे में चल रहे निर्माण कार्यों की जांच भवन अधिकारी से करवाए जाने, धार्मिक स्थल को दृष्टिगत रखते हुए यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने हेतु यातायात विभाग द्वारा निरंतर कार्यवाही करने एवं सफाई व्यवस्था हेतु क्षेत्र में होटलों के द्वारा नाली के ऊपर किए गए अतिक्रमण हटाने, चेंबर जिसमें साफ सफाई नहीं हो पाती है सफाई करने के साथ ही हरसिद्धि पाल से चारधाम मंदिर तक स्थल को अतिक्रमण मुक्त करने के निर्देश अतिक्रमण गैंग के अधिकारियों को दिए गए।

वार्ड क्रमांक 32 का भ्रमण

वार्ड भ्रमण कार्यक्रम अंतर्गत बुधवार को महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा वार्ड क्रमांक 32 का निरीक्षण क्षेत्रीय पार्षद प्रतिनिधि श्री शमशाद मेहताब लाला एवं एमआईसी सदस्यों एवं निगम अधिकारियों के साथ किया गया जहां क्षेत्रीय पार्षद प्रतिनिधि द्वारा क्षेत्र में नाली निर्माण, चौंबर की सफाई, प्रकाश व्यवस्था,नालियों पर से अतिक्रमण हटाने, सफाई कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने हेतु कहा गया जिसके क्रम में अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं किए जाने हेतु निर्देष प्रदान किए गए।

निरीक्षण के दौरान एमआईसी सदस्य श्री शिवेंद्र तिवारी, श्री प्रकाष शर्मा, श्री सत्यनारायण चौहान, श्री रजत मेहता, श्री कैलाष प्रजापत, डॉक्टर योगेश्वरी राठौर, कार्यपालन यंत्री श्री जगदीष मालवीय, सहायक आयुक्त श्री प्रदीप सेन, जोनल अधिकारी श्री दीपक षर्मा एवं संबंधित विभागों के कर्मचारी उपस्थित रहे।

महाकुंभ प्रबंधन पर विद्यार्थियों से चर्चा, वाणिज्य अध्ययनशाला में आयोजित हुआ कार्यक्रम

उज्जैन। प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ के सफल प्रबंधन के बारे में वाणिज्य अध्ययनशाला, विक्रम विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों से चर्चा करते हुए प्रयागराज से पधारे डीन ऑफ कॉमर्स प्रो. वी. के. पांडेय ने बताया कि, इस विशाल आयोजन में 66 करोड़ लोगों को बिना किसी असुविधा के सभी प्रकार की सुव्यवस्थित सुविधाएं प्रदान करने में प्रबंधन की प्रमुख भूमिका रही। उन्होंने कहा कि यह आयोजन न केवल देश, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी गहरा प्रभाव छोड़ने में सफल रहा और इसने वाणिज्य के विद्यार्थियों को प्रायोगिक ज्ञान अर्जित करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता वाणिज्य अध्ययनशाला के विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र कुमार भारल ने की। डॉ. भारल ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को व्यावसायिक प्रबंधन के महत्व और इसकी व्यावहारिकता पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि महाकुंभ जैसी विशाल और जटिल घटना का प्रबंधन एक अच्छा उदाहरण है, जिससे विद्यार्थी यह समझ सकते हैं कि कैसे सही योजना और कार्यप्रणाली से किसी भी बड़े कार्य को सफलतापूर्वक पूरा किया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने लक्ष्यों को स्पष्ट रूप से निर्धारित करें और उसे प्राप्त करने के लिए व्यवस्थित योजना बनाएं।

इस अवसर पर मंदसौर से पधारे प्रो. अशोक अग्रवाल ने भी विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारण की महत्वता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कैसे छोटे-छोटे कदमों के माध्यम से बड़े लक्ष्य की ओर बढ़ा जा सकता है।

विक्रम विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने अखिल भारतीय वाद-विवाद प्रतियोगिता में फहराया परचम

उज्जैन। मेवाड़ विश्वविद्यालय, चित्तौड़गढ़ में आयोजित हुए अखिल भारतीय श्री नंदलाल गादिया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता में विक्रम विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया।

प्रतियोगिता में जनसंचार विभाग के छात्र गोपाल माली ने पक्ष में और इंजीनियरिंग विभाग की माधवी शर्मा ने विपक्ष में प्रथम स्थान प्राप्त किया। विद्यार्थियों को दस हज़ार रूपये का नगद पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता में देशभर के 15 राज्यों से 300 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। विक्रम विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने अपनी उत्कृष्ट वाकपटुता और परिश्रम के बल पर यह सफलता अर्जित की।

मध्यप्रदेश कुश्ती महासंघ का वरिष्ठ उपाध्यक्ष बनने पर समाजसेवी नारायण यादव का किया सम्मान

जागरण उज्जैन। तिलकेश्वर गौशाला परिवार के आशीर्वाददाता एवं उज्जैन अहीर यादव महासभा के अध्यक्ष समाजसेवी नारायण यादव को मध्य प्रदेश कुश्ती महासंघ का वरिष्ठ उपाध्यक्ष बनाए जाने पर भारतीय जनता पार्टी संस्कृति प्रकोष्ठ के नगर जिला सहसंयोजक एवं वार्ड 5 के अध्यक्ष मंगेश श्रीवास्तव ने मालवा निमाड़ की टोपी, केसरिया दुपट्टा, मोतियों के माला, श्री फल एवं फूलों का गुलदस्ता देकर श्री यादव का अभिनंदन किया।

इस मौके पर नारायण यादव ने कहा कि कुश्ती में युवाओं की अधिक भागीदार रहनी चाहिए। मंगेश श्रीवास्तव के साथ ही भाजपा के वरिष्ठ नेता रवि सोलंकी, राजकुमार यादव, कृष्णा यादव, प्रियांश श्रीवास्तव, शिव श्रीवास्तव, अहिर यादव समाज के कुंवर दिगपाल सिंह कुमार्दी सहित कायस्थ समाज, कई वरिष्ठजन एवं नेतागणों ने नारायण यादव को मध्यप्रदेश कुश्ती महासंघ के प्रदेश उपाध्यक्ष बनने पर शुभकामनाएं दी।

पटवारी पर कार्रवाई को लेकर दिया कलेक्टर को ज्ञापन

उज्जैन। उज्जैनिया गांव के ग्रामीण जनों ने पटवारी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उनका आरोप है कि पटवारी भूमिहीन प्रमाण पत्र और भु-राजस्व स्वामित्व पट्टा वितरण के लिए पैसे की मांग कर रहे हैं। भेरूलाल गुजराती ने आरोप लगाते हुए बताया कि गांव का कोई भी व्यक्ति पटवारी के पास काम लेकर जाता है तो वह पैसे की मांग करता है। इस समस्या से उज्जैनिया गांव के लोगों का कुछ काम नहीं हो रहा है और लोग परेशान हो चुके हैं पटवारी पर कार्रवाई करने को लेक कलेक्टर को आवेदन देकर मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें स्वामित्व पट्टा, भूमिहीन कृषक प्रमाण पत्र, और संबल कार्ड आवेदन के लिए रुपये देने होते हैं। इस मामले में, ग्रामीण जनों ने प्रशासन से कार्रवाई की मांग की है।

विक्रम विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय निरस्त्रीकरण और अप्रसार जागरूकता दिवस 2025 पर आयोजन सम्पन्न

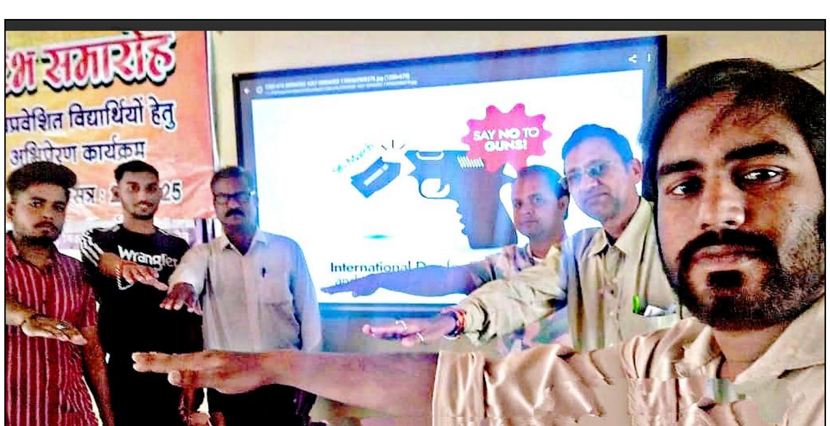

उज्जैन। पं. जवाहरलाल नेहरू व्यवसाय प्रबंध संस्थान, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन में 5 मार्च 2025 को अंतरराष्ट्रीय निरस्त्रीकरण और अप्रसार जागरूकता दिवस (आईडीएनपीए दिवस) पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विक्रम विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. डॉ. अर्पण भारद्वाज ने अपने शुभकामना वक्तव्य में कहा कि, ÷विकास हथियारों से नहीं, हौसलों की होड़ से हासिल है।÷ उन्होंने विश्व के युवाओं के बीच निरस्त्रीकरण मुद्दों के प्रति जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता की बात करते हुए, इस दिन के महत्व पर प्रकाश डाला। यह दिन सामूहिक विनाश के हथियारों से उत्पन्न खतरों और वैश्विक शांति एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक प्रयासों के महत्व को बढ़ावा देता है।

कार्यक्रम में प्रो. डॉ. कामरान सुल्तान, प्रो. डॉ. दीपक गुप्ता, प्रो. डॉ. डी.डी. बेदिया, डॉ. सचिन राय, डॉ. नयनतारा डामोर और अजय जायसवाल ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम के सूत्रधार जेएनआईबीएम संस्थान के निदेशक प्रो. डॉ. धर्मेंद्र मेहता ने इस दिन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और उद्देश्यों पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र महासभा ने दिसंबर 2022 में 5 मार्च को अंतरराष्ट्रीय निरस्त्रीकरण और अप्रसार जागरूकता दिवस के रूप में घोषित किया। यह दिन परमाणु, रासायनिक और जैविक हथियारों से उत्पन्न खतरों के प्रति वैश्विक चेतना बढ़ाने के उद्देश्य से मनाया जाता है।

सामूहिक विनाश के हथियारों के खतरों से वैश्विक जागरूकता का संचार संयुक्त राष्ट्र द्वारा निरस्त्रीकरण और अप्रसार से जुड़ी शिक्षा को प्रोत्साहित करने का प्रयास प्रो. डॉ. धर्मेंद्र मेहता ने इस विषय पर विस्तृत विश्लेषण करते हुए कहा कि 2023-24 तक, दुनिया के 100 सबसे बड़े हथियार उत्पादकों का कुल राजस्व 2022 से 4.2त्न बढ़कर 632 बिलियन (लगभग ₹598 बिलियन) हो गया था, जैसा कि स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट में उल्लेखित है। उन्होंने यह भी बताया कि संयुक्त राष्ट्र का लक्ष्य एसडीजी 16 के तहत शांतिपूर्ण और समावेशी समाजों को बढ़ावा देना है, जिससे समग्र रूप से आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय विकास सुनिश्चित हो सके।

भारत विकास परिषद अवंतिका शाखा के हुए चुनाव

उज्जैन। भारत विकास परिषद अवंतिका शाखा के 2025-26 के चुनाव, चुनाव अधिकारी संजय शाह की उपस्थिति में संपन्न हुए।

जिसमें सभी पदाधिकारियों की सहमति से अध्यक्ष अजय मिश्रा, सचिव कृष्णकुमार पोरवाल एवं कोषाध्यक्ष निलेश शर्मा को चुना गया। निर्वाचन बैठक में मुख्य रूप से मार्गदर्शक बुद्धि प्रकाश सोनी, वर्तमान अध्यक्ष राजेंद्र शाह, सचिव विट्ठल नागर, कोषाध्यक्ष मनीष चौधरी, चिराग शाह, सुनील लवंगीकर, महेश चौधरी, जगदीश धनोतिया, नीरज गुप्ता, पारूल शाह आदि की सहमति रही। यह जानकारी सचिव विट्ठल नागर ने दी।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com